नई दिल्ली

सोमवार 27 जुलाई 2026

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 99
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

मीराबाई चानू ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का पहला स्वर्ण पदक आ गया है। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने महिलाओं की 48 किग्रा कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह उनका लगातार तीसरा स्वर्ण पदक है। मीराबाई ने कुल 190 किग्रा (स्नैच 85 + क्लीन एंड जर्क 105 किग्रा) का भार उठाया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 22 किलोग्राम ▸▸ शेष पेज 5 पर

कॉमनवेल्थ गेम्स में लगाई स्वर्णिम हैट्रिक

मणिपुर की हैं मीराबाई

8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इम्फाल पास जन्मी मीराबाई का बचपन संघर्षों से भरा रहा। शुरुआती दिनों में वे ट्रेनिंग के लिए रोजाना ट्रक ड्राइवरों से लिफ्ट लेकर एकेडमी जाती थीं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली मीराबाई वर्तमान में ▸▸ शेष पेज 5 पर

नए सांसदों को तकनीकी में होना होगा दक्ष

डिजिटल संसद की ओर तेज कदम हरिवंश बोले-पेपरलेस हुई राज्यसभा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा है कि बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण के कारण राज्यसभा का कामकाज काफी हद तक पेपरलेस और अधिक कुशल हो गया है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं और अब उनकी सुरक्षा तथा साइबर खतरों से बचाव प्रत्येक सांसद की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। रविवार को राज्यसभा के नवनिर्वाचित और मनोनीत सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय विषय बोध कार्यशाला 'प्रारंभ' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए हरिवंश ने कहा कि संसद तभी प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है, जब उसके सदस्य स्वयं नई तकनीकों और डिजिटल सुरक्षा के प्रति पूरी तरह जागरूक हों। उन्होंने लॉगिन क्रेडेंशियल को संसद की संपत्ति बताते हुए इसके सुरक्षित उपयोग पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि इस विषय बोध कार्यक्रम का उद्देश्य नए सदस्यों को राज्यसभा के नियमों, प्रक्रियाओं, परंपराओं और सचिवालय की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था, ताकि वे सदन में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि वरिष्ठ सांसदों और अधिकारियों के व्यावहारिक अनुभवों से नए सदस्यों को संसदीय कार्यप्रणाली की गहरी समझ मिली होगी। उपसभापति ने कहा कि राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों के पास संस्थागत कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव है और वे सदैव विनम्रता एवं पेशेवर ढंग से सदस्यों की सहायता के लिए उपलब्ध रहते हैं। संसद की सुरक्षा का उल्लेख करते हुए हरिवंश ने कहा कि संसद केवल लोकतंत्र की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था ही नहीं, बल्कि एक हाई-सिक्योरिटी ज़ोन भी है। उन्होंने सांसदों से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील करते हुए संसद भवन को भारत के लोकतंत्र का आधुनिक मंदिर बताया। उन्होंने विभाग संबंधी संसदीय समितियों को ₹लघु संसद₹ बताते हुए कहा कि ये समितियां सरकारी कामकाज की गहन समीक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। साथ ही उन्होंने प्रश्नकाल, बजट की सूक्ष्म समीक्षा और संसदीय कूटनीति के महत्व पर भी विस्तार से ▸▸ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

इस्तीफे के बाद चंपत राय की मौन साधना

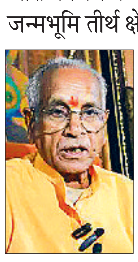

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय ने देवशयनी एकादशी से चातुर्मास साधना शुरू कर दी है। वह अगले चार महीने तक अयोध्या में रहकर मौन व्रत, श्रीराम मंत्र का जप करेंगे। देवशयनी एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक चलेगा।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का पदभार

नई दिल्ली। छात्रों और विभिन्न राजनीतिक दलों के 36 दिनों के आंदोलन के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। रविवार को उन्होंने पदभार संभालते हुए अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक की।

उद्घाटन के 12 दिनों में धंसा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के महज 12 दिन बाद उन्नाव के कोरारी क्षेत्र में सड़क का 5 से 7 मीटर हिस्सा धंस गया। बारिश में मिट्टी खिसकने से कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन में यह हादसा हुआ, जिसके बाद निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सपा नेता मधुसूदन यादव ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्वयं की परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स की घोषणा

नंदन नीलेकणी को सौंपी टेक्नोलॉजी आधारित सुधारों की खास जिम्मेदारी

केंद्र सरकार को इन्फोसिस के सह-संस्थापक और आधार परियोजना के प्रमुख वास्तुकार रहे नंदन नीलेकणी पर है भरोसा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पीएम ने सोशल मीडिया पर एक और वीडियो जारी कर दी जानकारी

▸▸ जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वे जेल में

▸▸ परीक्षा प्रणाली में तकनीक और पारदर्शिता पर रहेगा जोर

देश की परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से खुद एलान किया कि केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक और आधार परियोजना के प्रमुख वास्तुकार रहे नंदन नीलेकणी को परीक्षा सुधारों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर सुझाव देने के लिए एक हाई पावर टास्क फोर्स नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में बनाने का निर्णय किया है।

सरकार द्वारा गठित इस उच्चस्तरीय टास्क फोर्स में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इसमें पूर्व खुफिया ब्यूरो (आईबी) निदेशक तपन डेका, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटी, पूर्व शिक्षा सचिव अनीता करवाल तथा लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा सदस्य होंगे। यह पहल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा, इस संबंध में तेजी से निर्णय लेने के फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाया जा चुका है। सोमवार को संसद में एक कड़े कानून को पारित कराने की कोशिश भी होगी। हालांकि विपक्ष के नेता ने कहा, इस तरह की घोषणा पीएम मोदी ने दो साल पहले पेपर लीक के समय भी कही थी। कानून बना देने से कुछ नहीं होगा। सिस्टम में सुधार की आवश्यकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, टास्क फोर्स परीक्षा प्रणाली में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षित डेटा आर्किटेक्चर, डिजिटल पहचान सत्यापन, एआई आधारित निगरानी, साइबर सुरक्षा और रियल-टाइम ▸▸ शेष पेज 5 पर

कौन हैं नंदन नीलेकणि?

घर-घर में जिन्होंने दिया 'आधार'

नंदन नीलेकणि

नंदन नीलेकणि का जन्म देश के आईटी हब कहे जाने वाले बंगलुरू शहर में 2 जून 1955 को हुआ था। नीलेकणि ने अपने इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई आईआईटी बॉम्बे से पूरी की। खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के दम पर आईआईटी बॉम्बे में दाखिला पाया था। वर्ष 1981 में उन्होंने एनआर नारायण मूर्ति और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इंफोसिस की स्थापना की। ▸▸ शेष पेज 5 पर

फास्ट ट्रैक कोर्ट और कड़ी सजा का होगा प्रावधान

परीक्षा सुधारः लोकसभा में आज पेश होगा संशोधन विधेयक

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं पर लगाम कसने के लिए 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को आज, सोमवार को लोकसभा में पेश करेगी। संसद के कार्यसूची में इस विधेयक को शामिल किया गया है। इसे केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह सदन में प्रस्तुत करेंगे।यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन का प्रस्ताव करता है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसके मसौदे को मंजूरी दी गई थी। सरकार का ▸▸ शेष पेज 5 पर

हर राज्य में फास्ट-ट्रैक अदालतें

विधेयक के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें नामित करने का अधिकार दिया जाएगा। इन अदालतों में सार्वजनिक परीक्षा से जुड़े अपराधों की दैनिक आधार पर सुनवाई कर मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा।

दो महीने में जांच पूरी करने का प्रस्ताव

सरकार ने जांच प्रक्रिया को भी समयबद्ध बनाने का प्रस्ताव रखा है। विधेयक के अनुसार ऐसे मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार विशेष जांच दल (एसटीएफ) का गठन भी कर सकेगी, जो पेपर लीक और संगठित परीक्षा अपराधों की जांच करेगी।

संशोधन विधेयक की प्रमुख बातें

प्रस्तावित संशोधनों के तहत पेपर लीक या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष तथा अधिकतम सजा दस वर्ष करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही दोषियों पर 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। संगठित अपराध के मामलों में और भी सख्त प्रावधान किए गए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की कैद तथा कम से कम 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। परीक्षा आयोजित कराने वाली सेवा प्रदाता एजेंसियो पर भी ▸▸ शेष पेज 5 पर

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

मन की बात : पीएम मोदी ने देश की उपलब्धियों का किया उल्लेख

कारगिल विजय दिवस से विज्ञान, रक्षा एवं खेल पर्यावरण और वोकल फॉर लोकल तक का जिक्र

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित करते हुए कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, खेल, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, हस्तशिल्प तथा 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अनेक विषयों पर देश की उपलब्धियों और जनभागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत आज रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और वैश्विक सहयोग के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ▸▸ शेष पेज 5 पर

कारगिल के वीरों को नमन

प्रधानमंत्री ने कहा कि 26 जुलाई ऐसी तारीख है जिसे याद रखने के लिए किसी कैलेंडर की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि यह कारगिल विजय दिवस है। उन्होंने कहा कि यह दिन देशवासियों को भारतीय सैनिकों के अद्वितीय साहस और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कारगिल के शहीदों और वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देशवासियों से सुरक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 14 जुलाई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक से शुरू हुई 'शौर्य विजय यात्रा' मोटरसाइकिल रैली कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास तक पहुंचेगी। इसका संदेश है-'वन राइड, वन नेशन, वन सल्यूट'।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में लगातार तकनीकी रूप से सशक्त हो रहा है। उन्होंने हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किए गए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और यह आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इसी महीने डीआरडीओ ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट और कुछ दिन पहले कुशा मिसाइल का सफल परीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत के कारण भारत रक्षा क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया ▸▸ शेष पेज 5 पर

कैच द रेन अभियान को मिली जनभागीदारी

प्रधानमंत्री ने बताया कि 4 जुलाई से पूरे देश में 'कैच द रेन' अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जलाशयों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के सीधी जिले में करीब 1,500 तालाब बनाए गए हैं, नरसिंहपुर में अमृत सरोवरों का पुनरुद्धार हुआ है, महाराष्ट्र के नासिक में जल भंडारण क्षमता बढ़ाई गई है और आंध्र प्रदेश के नंदयाल तथा विजयनगरम में ग्राम पंचायतों ने पुराने तालाबों को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास किसी तालाब, कुएं या बावड़ी की ▸▸ शेष पेज 5 पर

छात्रों पर पेलेट गन किसके आदेश पर चली?

राहुल गांधी की पाती अमित शाह के नाम, न्यायायिक जांच की मांग

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को दिल्ली में छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अत्यधिक बल प्रयोग किया गया, जिसमें पेलेट गन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल हुआ। जाहिर ये सवाल सोमवार को संसद में भी गूंजेगा। राहुल गांधी ने पत्र में कहा कि छात्र निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सैकड़ों छात्र घायल हुए, महिला छात्रों के साथ दुर्व्यवहार हुआ और एक पत्रकार सहित कई लोगों को पेलेट गन के छर्रे लगे।

उन्होंने 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा है।

राहुल गांधी ने गृह मंत्री से दो प्रमुख सवाल पूछे हैं क्या छात्रों के खिलाफ पेलेट गन समेत घातक बल प्रयोग की अनुमति गृह मंत्रालय ने दी थी, और यदि नहीं, तो यह आदेश किसने दिया? साथ ही उन्होंने सादे कपड़ों में छात्रों पर लाठीचार्ज करते दिखाई देने वाले लोगों की पहचान और उनकी तैनाती पर भी जवाब मांगा है। पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र की बुनियाद है और सरकार का दायित्व प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा संवाद के माध्यम से उनकी शिकायतों का समाधान करना है। उन्होंने इस घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए दोषियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने किया दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का गठन

समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की आवाज़ को मजबूती प्रदान करेंगे आयोग: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग केवल वैधानिक संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि जनविश्वास को सशक्त करने वाले ऐसे महत्वपूर्ण मंच हैं, जो समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की आवाज़ को मजबूती प्रदान करेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली महिला आयोग तथा दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का गठन के बाद यह बात कही। उन्होंने बताया कि महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण, उनके सशक्तिकरण तथा अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण व संवैधानिक अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दिल्ली महिला आयोग तथा दिल्ली

अल्पसंख्यक आयोग का गठन कर दिया है। दोनों आयोगों में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में लता गुप्ता की नियुक्ति की गई है। आयोग के सदस्यों में श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरीका शर्मा झा तथा रेणु भल्ला को शामिल किया गया है। इसी प्रकार दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में निर्मल जैन की नियुक्ति की गई है। आयोग के सदस्यों में कुलदीप सिंह तथा मोहम्मद हारून को नामित किया गया है।

मोदी के नेतृत्व में समावेश विकास को मिली नई दिशा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सुशासन, नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को नई दिशा मिली है। दिल्ली सरकार उसी विजन को आगे बढ़ाते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि महिलाओं तथा अल्पसंख्यक समुदायों को उनके अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा, सम्मानजनक अवसर और समयबद्ध न्याय उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्य निष्पक्षता, संवेदनशीलता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है दिल्ली सरकार

मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की र
क्षा, उनकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगा, जबकि अल्पसंख्यक आयोग अल्पसंख्यक समुदायों के हितों की रक्षा, उनके कल्याण एवं समावेशी विकास को गति प्रदान करेगा।

दिल्ली की हर महिला की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी ईमानदारी से करुंगी काम : लता गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद भाजपा की वरिष्ठ नेता लता गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की हर महिला की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए पूरी ईमानदारी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के अध्यक्ष के तौर पर मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। उन्होंने कहा कि बहनों की सुरक्षा बहुत बड़ा विषय रहा है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर सक्रियता से काम करे। आयोग का काम है कि न्याय के लिए यदि कोई पीड़िता आती है तो वह आयोग पर भरोसा करे। मेरी प्राथमिकता रहेगी पीड़ित बहन सहजता और सरलता से आयोग तक आ पाए। लिखित शिकायतें फाइलों तक रखना सीमित न रहे। मैं उनके निवारण के लिए जमीन पर उतरकर काम करुंगी, ज्यादा ऐसा रहा तो स्वतः संज्ञान लेकर भी किसी समस्या को अपने तक लाने का प्रयास करुंगी, न कि इंतजार करुंगी। 181 हेल्पलाइन को लेकर उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन की आवश्यकता तो पड़ेगी। त्वरित यदि कोई बहन समस्या में है तो वह वहीं से अपनी समस्या को दर्ज करा सके इसके लिए निश्चित तौर पर हेल्पलाइन को और मजबूत किया जाएगा। ऐसी व्यवस्था करेंगे कि दूर दराज गांव की बहन भी अपने घर से अपनी शिकायत दर्ज करा सके। आयोग हर बहन की समस्या का पूरी तरह से निस्तारण करेगा।

जनवरी 2024 से क्यों खाली था अध्यक्ष पद

दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष पद जनवरी 2024 से खाली था। दरअसल पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के कार्यकाल के बाद से यह पद खाली था। उल्लेखनीय है कि स्वाति मालीवाल को जुलाई 2015 में पहली बार दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल लगभग 8.5 वर्षों (2015 से 2024) तक रहा, जिसके दौरान उन्होंने महिला हेल्पलाइन (181), शेल्टर होम निरीक्षण और यौन उत्पीड़न पीड़ितों की सहायता के लिए कई अभियान चलाए। जनवरी 2024 में आम आदमी पार्टी द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकित किए जाने के बाद स्वाति मालीवाल ने अपने पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया था। मालीवाल के इस्तीफे के बाद से आयोग में अब तक किसी नियमित अध्यक्ष या पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति नहीं हो सकी थी।

कृष्णा नगर कैब चालक हत्याकांड सुलझा नाबालिग समेत तीन आरोपी दबोचे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कृष्णा नगर में एक कैब चालक की हत्या के मामले को सुलझाते हुए एक किशोर सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि चौथे आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश जारी है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। पुलिस ने बताया कि 23 जुलाई को एक पीसीआर कॉल आयी थी कि पूर्वी दिल्ली में पश्चिम विनोद नगर निवासी विजय कुमार (40) चाकू से हमले के बाद अपनी कार के अंदर घायल अवस्था में पाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि कुमार को डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने एक मामला दर्ज करके हत्या मामले की जांच के लिए कई टीम गठित की थीं।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्होंने आसानी से पैसे कमाने के लिए कैब चालक को लूटने की योजना बनाने से पहले साथ में शराब पी थी। पुलिस के अनुसार, अमन ने कथित तौर पर चाकू की व्यवस्था की और अयान के मोबाइल फोन से रैपिडो कैब बुक की थी। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी कथित तौर पर कैब में सवार हुए और चित्रा विहार क्रॉसिंग की लाल बत्ती के पास चालक पर चाकू से हमला किया। इसके बाद उन्होंने चालक को पिछली सीट पर डाल दिया और वाहन लेकर फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि बाद में लोगों द्वारा पीछा किए जाने पर आरोपियों ने पूर्वी आजाद नगर मेट्रो स्टेशन के पास खून से सनी कार छोड़ दी। पुलिस के अनुसार, जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया, जिससे आरोपियों का पता लगाने में मदद मिली और उनका पता न्यू सीलमपुर में लगाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि लगातार निगरानी और समन्वित छापेमारी के बाद पुलिस ने तीन संदिग्धों को पकड़ लिया, जबकि चौथे आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अयान (20) और साहिल (19) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि अयान कथित तौर पर लूट और झपटमारी समेत चार पूर्व आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जबकि साहिल के खिलाफ झपटमारी का एक मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि मामले में एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि चौथे आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू, खून से सनी कार, आरोपियों के खून लगे कपड़े, अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन और अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

झगड़े के दौरान कथित हमले में फेरीवाले की मौत, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के एम्स मेट्रो स्टेशन के निकट झगड़े के दौरान कथित तौर पर हमला किए जाने से 45 वर्षीय एक फेरीवाले की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान तैमूर नगर निवासी लोकेश (40) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उसे राह से गुजर रहे एक व्यक्ति ने पकड़ लिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान मनोज सिंह के रूप में हुई है, जो सफदरजंग अस्पताल के निकट फेरी लगाकर आजीविका चलाता था। उन्होंने बताया कि यह घटना 23 और 24 जुलाई की दरमियानी रात को अरविंद मार्ग स्थित एम्स मेट्रो स्टेशन के गेट संख्या-3 के पास हुई। पुलिस के अनुसार, हौजखास थाने में झगड़े की सूचना संबंधी पीसीआर कॉल मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मनोज सिंह को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पास के एक बस स्टॉप पर मामूली कहासुनी के बाद विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया, जिसमें मनोज सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हौजखास थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(2) के तहत हत्या का एक मामला दर्ज करके विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

डीयू प्रवेश पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ी से छात्र परेशान

- वेबसाइट पर 'नोट सेक्योर' एवं 'एआई जनरेटेड' जानकारी दिखने का दावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के बीच कुछ छात्रों ने प्रवेश पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया है। एक छात्रा ने आरोप लगाया कि पहले चरण में सीट आवंटित होने के बाद अपग्रेड का विकल्प चुनने पर दूसरे चरण में कॉलेज की ओर से ऐसे दस्तावेज़ की कमी बताई गई, जिसका उल्लेख पहले चरण के सत्यापन के दौरान नहीं किया गया था। साथ ही प्रवेश पोर्टल पर 'नोट सेक्योर' एवं 'एआई जनरेटेड' जानकारी दिखाई देने की भी शिकायत सामने आई है। डीयू की ओर से लगातार छात्रों को सलाह दी जा रही है कि वे प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से नज़र बनाए रखें। इसी बीच रविवार को एक छात्रा ने बताया कि पहले राउंड में उन्हें एक कॉलेज आवंटित हुआ था, लेकिन कॉलेज घर से काफी दूर होने के कारण उन्होंने अपग्रेड का विकल्प चुना था।

'एआई जनरेटेड जानकारी' भी दी दिखाई

छात्रा के एक परिजन के अनुसार, रविवार को जब उन्होंने प्रवेश पोर्टल खोला तो नए आवंटित कॉलेज की ओर से एक दस्तावेज़ संबंधी कमी दर्शाई गई, जबकि पहले चरण में प्रवेश सत्यापन के दौरान ऐसी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी। उनका कहना है कि इससे छात्रों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। छात्रा ने यह भी दावा किया कि प्रवेश पोर्टल खोलने पर ब्राउज़र में वेबसाइट के सामने 'नोट सेक्योर' का संदेश दिखाई दे रहा था। इसके अलावा पोर्टल पर कुछ स्थानों पर 'एआई जनरेटेड जानकारी' भी दिखाई देने की बात कही गई, जिससे छात्रों में वेबसाइट की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से नहीं मिली कोई प्रतिक्रिया

इस संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश शाखा प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक विश्वविद्यालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह समस्या किसी एक छात्र के खाते तक सीमित थी या व्यापक स्तर पर अन्य अभ्यर्थियों को भी इसका सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय की ओर से आधिकारिक स्पष्टीकरण आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

दस मिनट की बारिश में तालाब बन गई मंडावली की मुख्य सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- विधायक अभय वर्मा बोले, स्थानीय लोगों की गुटबाजी से सड़क का निर्माण कार्य रूका हुआ है, आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर शुरू करवाएंगे काम

पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मीनगर विधानसभा के मंडावली क्षेत्र की मुख्य सड़क रविवार को 10 मिनट की बारिश में ही तालाब बन गई। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस मामले पर स्थानीय विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा। दरअसल इस सड़क का निर्माण कार्य स्थानीय विधायक अभय वर्मा के विधायक निधि से किया जा रहा है। जिसकी विधिवत शुरूआत विधायक अभय वर्मा ने खुद की थी। इस सड़क पर दोनों ओर नाला बनने का काम तो पूरा हो गया है और सड़क बनने का काम भी शुरू हो गया था लेकिन अचानक वह बंद हो गया है। जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को मात्र 10 मिनट की बारिश में ही पूरी सड़क पर पानी भर गया। हालत यह हो गई कि सड़क का पानी गलियों में भर गया। जिससे लोगों को निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस मामले पर स्थानीय विधायक अभय वर्मा से बात की तो उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के दो गुटों के चक्कर में सड़क का निर्माण कार्य रूका हुआ। उन्होंने कहा कि आज सोमवार को इस सड़क के निर्माण को लेकर चीफ इंजीनियर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक करेंगे और सड़क निर्माण को लेकर समाधान निकालकर जल्द ही सड़क का निर्माण शुरू करवाया जाएगा।

एमसीडी को मिला दिल्ली सरकार के अचीवमेंट एंड स्कीम एक्सपो-2026 में प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को भारत मंडपम में आयोजित दिल्ली सरकार अचीवमेंट एंड स्कीम एक्सपो-2026 में शहरी नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का समापन सोमवार को होगा। प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी विभागों व संस्थाओं के कुल 71 स्टॉल लगाए गए थे। एमसीडी के अनुसार सभी प्रतिभागी प्रदर्शकों में से निगम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। यह सम्मान नागरिक केंद्रित सेवाओं, जनकल्याणकारी पहल तथा शहरी प्रशासन में नवाचार के क्षेत्र में एमसीडी के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए दिया गया। निगम ने अपने समर्पित स्टॉल के माध्यम से नागरिक केंद्रित पहलों एवं जनसेवा संबंधी नवाचारों का बेहतरीन तरीके से प्रदर्शन किया। स्टॉल पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, नागरिकों तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भ्रमण कर एमसीडी की प्रमुख पहलों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। एमसीडी के स्टॉल में संपत्ति कर विभाग, पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग (डैम्स), पशु चिकित्सा सेवा विभाग तथा जन स्वास्थ्य विभाग ने भाग लिया। इंटरैक्टिव डिस्प्ले, मॉडल तथा जागरूकता सामग्री के माध्यम से इन विभागों ने अपनी विभिन्न परियोजनाओं, डिजिटल पहलों एवं नागरिक सेवाओं का प्रदर्शन किया। दिल्ली नगर निगम इस सम्मान के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करता है तथा नागरिकों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सड़क हादसे में मारे गए व्यक्ति के परिवार को 16.73 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 2017 में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एसयूवी की टक्कर से जान गंवाने वाले 45 वर्षीय फल विक्रेता के परिजनों को 16.73 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी ऋचा मनचंदा ने आरोपी कार चालक को लापरवाही का दोषी माना और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 7.5 फीसदी सालाना ब्याज के साथ मुआवजे का भुगतान करने का आदेश दिया। सोलह जुलाई के आदेश में अधिकरण ने कहा कि मृतक रहीसू की मौत प्रतिवादी चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण हुई सड़क दुर्घटना में लगी गंभीर चोटों से हुई। याचिका के अनुसार, रहीसू दो मई, 2017 को फल बेचने के लिए आजादपुर मंडी जा रहे थे, तभी एक एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रहीसू की चार दिन बाद अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। अधिकरण ने प्राथमिकी दर्ज करने में 81 दिन की देरी को लेकर बीमा कंपनी की आपत्ति खारिज करते हुए कहा कि यह जांच एजेंसी की चूक थी और इसके आधार पर मृतक के परिवार को मुआवजे से वंचित नहीं किया जा सकता। आय संबंधी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर अधिकरण ने उत्तर प्रदेश में अकुशल श्रमिक की न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मृतक की आय का आकलन किया और आश्रितों की आय-हानि के मद में 12.43 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा निर्धारित किया। अधिकरण ने यह भी कहा कि दुर्घटना के समय वाहन का वैध बीमा था और चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस था, इसलिए बीमा कंपनी मुआवजे की राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगी।

डीटीसी मुख्यालय में शिकायत के बाद कार्रवाई का मिला आश्वासन

रात में नहीं रुक रहीं डीटीसी बसें, खाली बस लेकर निकल रहे चालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने के लिए लगातार नई इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतार रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, परिवहन मंत्री और पर्यावरण मंत्री प्रदूषण कम करने तथा लोगों को बेहतर बस सेवा उपलब्ध कराने की बात कर रहे हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ बस चालकों की लापरवाही इन प्रयासों पर पानी फेर रही है। ऐसा ही एक मामला शनिवार, 25 जुलाई की रात करीब 11 बजे अलीपुर गांव के मुख्य बस स्टैंड पर सामने आया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार सिंघू बॉर्डर की ओर जा रही डीटीसी बस (रूट संख्या 144, बस नंबर डीएल 51 ईवी 3503) ने बस स्टॉप पर मौजूद यात्री को हाथ देने और आवाज लगाने के बावजूद नहीं रोका। बताया गया कि उस समय बस में कोई यात्री नहीं था। बस में केवल चालक और परिचालक मौजूद थे। आरोप है कि चालक बस चलाते समय मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहा था, जबकि परिचालक भी उसके साथ आगे खड़ा था। इसके बावजूद बस बिना रुके आगे निकल गई। घटना के बाद संबंधित यात्री ने डीटीसी मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने मामले में नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर उठे सवाल

यह घटना केवल एक यात्री की परेशानी तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करती है। यात्रियों का कहना है कि यदि बस चालक निर्धारित बस स्टॉप पर बस नहीं रोकते हैं या वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, तो यह न केवल सेवा नियमों का उल्लंघन है बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

सरकार और डीटीसी प्रशासन से मांग

यात्रियों ने दिल्ली सरकार और डीटीसी से मांग की है कि बस चालकों द्वारा निर्धारित स्टॉप पर बस न रोकने की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग पर सख्ती से रोक लगाई जाए। रात के समय बस सेवाओं की विशेष निगरानी की जाए ताकि अंतिम समय तक यात्रा करने वाले लोगों को सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन सुविधा मिल सके। दोषी पाए जाने वाले चालक और संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उसका संदेश पूरे परिवहन तंत्र तक पहुंचाया जाए।

आंदोलन खत्म होने के बाद जंतर-मंतर अपनी पुरानी रंगत में लौटा

सोनम वांगचुक को आज मिलेगी मेदांता से छुट्टी, राजघाट के बाद लद्दाख रवाना होंगे!

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

क्लाइमेट एक्टिविस्ट और लद्दाख के प्रमुख आवाज सोनम वांगचुक सोमवार को अस्पताल से छुट्टी पाने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे वांगचुक को सुबह करीब 11:30 बजे डिस्चार्ज किया जाएगा। छुट्टी मिलते ही वह सबसे पहले राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, इसके बाद लद्दाख के लिए रवाना होंगे। यह घटनाक्रम पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के ठीक एक दिन बाद आया है।

परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर 36 दिन तक आंदोलन के केंद्र रहे जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के एक दिन बाद रविवार को पूरी तरह सन्नाटा रहा। इस बीच, टाइफफाइड से पीड़ित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके घर पर हैं, जबकि पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी के बीचों-बीच स्थित जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक नारेबाजी, भाषण और विरोध प्रदर्शन हुए, लेकिन रविवार को यह क्षेत्र पूरी तरह सुनसान दिखाई दिया। अस्थायी टेंट हटाए जा चुके थे और स्वयंसेवक तथा समर्थक भी वहां से जा चुके थे।

आंदोलन की बहुत कम निशानियां बाकी रह गई हैं। इस प्रदर्शन का आयोजन करने वाली सीजेपी ने अभिजीत दीपके की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्हें नस के जरिए दवा दी जा रही थी। पार्टी ने उनका एक वीडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि लगातार एक महीने से अधिक समय तक चले अभियान और अनिश्चितता के बाद उन्हें आखिरकार सुकून की नींद मिली। दीपके ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। आज आखिरकार मैं अपने कमरे में चैन से सो सका और उठा। यह सोचने की जरूरत नहीं है कि अब आगे क्या करना है या शाम तक क्या होगा। अब कोई घबराहट नहीं है। आंदोलन 20 जून को शुरू हुआ था। 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के बाद यह और तेज हो गया। बाद में कई छात्र संगठनों और सोनम वांगचुक समेत विभिन्न कार्यकर्ताओं ने इसका समर्थन किया। वांगचुक ने आंदोलन के समर्थन में लंबा अनशन भी किया।

सीजेपी ने शनिवार शाम घोषणा की कि सरकार की ओर से सभी मांगें मान लेने के बाद वह अपना आंदोलन वापस ले रही है। इन मांगों में नीट पेपर लीक के बाद कथित रूप से आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियां वापस लेना भी शामिल था।

दीपके ने पिछले 36 दिनों को बहुत कठिन बताते हुए देशभर के समर्थकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जब कई लोग उनके अभियान पर संदेह कर रहे थे, तब भी लोगों ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि मैं हर एक समर्थक का धन्यवाद करना चाहता हूं... उन लोगों का जिन्होंने हमारा साथ दिया, हम पर भरोसा किया और हमसे प्यार किया। हर कोई हम पर शक कर रहा था। आप लोगों के बिना हम यह हासिल नहीं कर पाते। दीपके ने उन समर्थकों से भी माफी मांगी, जो शनिवार को आंदोलन खत्म होने के बाद जंतर-मंतर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि टाइफाइड और 101 डिग्री बुखार होने के कारण वह उनसे नहीं मिल सके। सीजेपी प्रमुख ने कहा कि मुझे टाइफाइड है... इसलिए घर लौटना पड़ा। उन्होंने पूरे आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर पर डटे रहने वाले लोगों का भी धन्यवाद किया। दीपके ने अपने संदेश में आंदोलन की आलोचना करने वालों का भी धन्यवाद किया।

नए भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है युवाः हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को 'युवा संवाद (जेन -जी विद मोदी)' का आयोजन किया जिसमें दिल्ली के अलग अलग विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे लगभग 50 युवा छात्रों और उनके साथ आये कुछ अभिभावकों ने भागीदारी की। दोतरफा बातचीत में 2014 से 2026 के बीच भारत में विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास एवं विस्तार के साथ ही पाठ्यक्रम से कुछ अनावश्यक चैप्टर हटाने और राष्ट्रीय महत्व के चैप्टर जोड़ने को लेकर चर्चा की। साथ ही छात्रों ने हर्ष मल्होत्रा के साथ हस्ताक्षर कर अपनी सहमति भी जताई। इसके साथ ही संवाद के दौरान युवाओं ने जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर भी अपनी राय व्यक्त की। युवाओं ने कई तर्कों के साथ प्रदर्शन को अनुचित बताते हुए कहा कि किसी भी आंदोलन में देश और समाज को जोड़ने वाली सकारात्मक सोच होनी चाहिए और आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन के दौरान हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी टिप्पणियां की गईं, जो देश की एकता एवं सामाजिक सद्भाव के लिए उचित नही है। इस दौरान हर्ष मल्होत्रा ने शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों की जानकारी साझा की। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश का युवा आत्मविश्वास के साथ नए भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 'युवा संवाद' जैसे संवाद कार्यक्रम युवाओं को अपनी बात रखने और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर खुलकर विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष मल्होत्रा ने कहा कि देश के युवाओं को भटकाने या समाज में विभाजन पैदा करने के बजाय सकारात्मक संवाद और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। भारत का युवा आज विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज की नई पीढ़ी जागरूक है और हर विषय पर तर्क एवं तथ्यों के आधार पर अपनी राय व्यक्त करना चाहती है। युवाओं के विचार, उनकी ऊर्जा और उनकी रचनात्मक सोच ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

'एनडीएमसी ने जंतर-मंतर क्षेत्र में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान'

- रातभर चले विशेष अभियान में हटाया गया लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा, 500 से अधिक एनडीएमसी अधिकारियों एवं कर्मचारी अभियान में रहे शामिल

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन खत्म होने के बाद नई नई दिल्ली में जनजीवन और यातायात को जल्द सामान्य बनाने के उद्देश्य से दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने जंतर मंतर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर 500 अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया की इस अभियान में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सिविल इंजीनियरिंग तथा उद्यान विभागों ने संयुक्त रूप से कार्य किया। रात से दिन तक 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभियान में भाग लेते हुए सड़कों, फुटपाथों, डिवाइडरों, हरित पट्टियों, दीवारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई, धुलाई, मरम्मत एवं पुनर्स्थापन का कार्य किया।

चहल ने बताया कि प्रदर्शन समाप्त होने के तुरंत बाद ही एनडीएमसी की टीमें सक्रिय हो गई थीं और परिषद द्वारा पूरे प्रदर्शन स्थल की सफाई किसी भी अन्य प्रतीकात्मक सफाई गतिविधि से पहले ही पूरी कर ली गई थी। निरीक्षण के दौरान चहल ने सिविल इंजीनियरिंग विभाग के कार्यों की समीक्षा की। विभाग द्वारा लगभग 50 कर्मचारियों की तैनाती की गई। 4 जेटिंग मशीनों से सड़कों एवं फुटपाथों की धुलाई, दीवारों पर लिखे नारों को हटाकर पुनः रंगाई-पुताई, क्षतिग्रस्त कर्ब स्टोन तथा फुटपाथों की मरम्मत का कार्य किया गया। चहल ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि रातभर 75 सफाई कर्मचारी तथा सुबह से 35 अतिरिक्त कर्मचारी तैनात रहे। अभियान के दौरान लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। इसके लिए 8 ऑटो टिपर, 2 भारी ट्रक, 1 जेसीबी तथा 3 हाई-प्रेशर जेटिंग मशीनों का उपयोग किया गया। चहल ने उद्यान विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया।

विभाग ने हरित पट्टियों, डिवाइडरों एवं उद्यान क्षेत्रों की सफाई, रखरखाव एवं पुनर्स्थापन का कार्य कर क्षेत्र की हरियाली और सौंदर्य को पुनः स्थापित किया। चहल ने कहा कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की सभी टीमें तत्काल मैदान में उतर गईं। जंतर-मंतर, टॉलस्टॉय रोड, संसद मार्ग, जयसिंह रोड, जनपथ तथा कनॉट प्लेस के आसपास के क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर सफाई, धुलाई और मरम्मत का कार्य किया गया।

पुराने, टूटने के खतरे वाले पेड़ों का तत्काल ऑडिट कराए सरकार : यादव

नई दिल्ली। राजधानी में सभी संवेदनशील और खतरनाक पेड़ों का तत्काल वैज्ञानिक ऑडिट सर्वे कराया जाए तथा मानसून के दौरान विशेष टीमों का गठन कर पेड़ों और शाखाओं की नियमित निगरानी एवं आवश्यक छंटाई कराई जाए। यह मांग रविवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने की है। उन्होंने मानसून के दौरान जर्जर और टूटने के खतरे वाले पेड़ों की समय रहते छंटाई एवं आवश्यकतानुसार कटाई नहीं किए जाने से संभावित हादसों पर रविवार को गहरी चिंता जतायी। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले पेड़ों की सुरक्षा जांच और खतरनाक शाखाओं की छंटाई करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है, लेकिन दिल्ली सरकार और संबंधित एजेंसियां समय रहते कार्रवाई करने में विफल रही हैं। यादव ने कहा कि तेज बारिश और हवाओं के दौरान कमजोर पेड़ों और भारी शाखाओं के गिरने से लोगों की जान को खतरा पैदा हो जाता है तथा वाहन, मकान और सार्वजनिक संपत्ति भी क्षतिग्रस्त होती है। इसके बावजूद भाजपा सरकार और नगर निगम केवल हादसा होने के बाद सक्रिय होते हैं। यादव ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सरकार को हादसों का इंतजार करने के बजाय मानसून से पहले ही प्रभावी और ठोस कदम उठाने चाहिए थे, ताकि बहुमूल्य जानें बचाई जा सकें। उन्होंने कहा कि पेड़ पर्यावरण और दिल्ली के लिए बेहद जरूरी हैं, लेकिन लोगों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

निगम स्थायी समिति अध्यक्ष का चुनाव आज, सत्या शर्मा की दूसरी निर्विरोध पारी तय, उपाध्यक्ष बनेंगे सत्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की सबसे शक्तिशाली स्थायी समिति की कमान एक बार फिर से सत्या शर्मा को मिलने जा रही है। स्थायी समिति अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए आज सोमवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में चुनाव होने है। लेकिन वर्तमान स्थिति से साफ है कि यह चुनाव महज एक रस्म अदायगी होंगे क्योंकि अंक गणित के चलते मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवार ही खड़े नहीं किए है।

जाहिर है ऐसे में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की उम्मीदवार सत्या शर्मा व उपाध्यक्ष पद के लिए सत्यपाल सिंह का निर्विरोध निर्वाचित होना निश्चित है। स्थायी समिति में भाजपा के पास कुल 18 सदस्यों में से 12 सदस्य होने के कारण दोनों का निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाना तय है। सत्या शर्मा के अध्यक्ष बनते ही निगम की स्थायी समिति का कार्य एक बार फिर सुचारू रूप से हो सकेगा। क्योंकि समिति की आखिरी बैठक मार्च महीने में हुई थी, उसके बाद से अभी तक कोई बैठक नहीं होने से निगम की अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं के दर्जनों प्रस्ताव लंबित पड़े है। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बावजूद नई स्थायी समिति की पहली बैठक जुलाई माह के अंत तक होना मुश्किल लग रहा है, संभव है कि अगस्त महीने के प्रथम सप्ताह में बुलाई जाए।

सरकार को हो रहा ई-20 पेट्रोल से फायदा, जनता से हो रही लूटः भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी (आप) अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए है कि ई -20 पेट्रोल से फायदा जनता को नहीं, सिर्फ उद्योगपतियों और सरकार को हो रहा है। जबकि इस ई-20 पेट्रोल से वाहनों की माइलेज कम हो रही, गाड़ियां लगातार खराब हो रही। जबकि उपभोक्ताओं को इस ई-20 ईंधन की कीमत भी शुद्ध पेट्रोल की कीमत के बराबार चुकानी पड़ रही। भारद्वाज ने कहा कि बड़े बड़े उद्योगपति इथेनॉल बना रहे हैं और सरकार जबरदस्ती पूरे देश में महंगे दामों पर इसे बेच कर अपना व उनका फायदा कर रही है। उन्होंने कहा कि यह ठीक वैसा है जैसे किसी देशी घी के रेट लेकर उपभोक्ता को डालडा देकर कहा जाए कि अब आपको डालडा ही खाना पड़ेगा। रविवार को भारद्वाज न अपने अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए ई-20 यानी वह पेट्रोल जिसमें 20 फीसद इथेनॉल की मिलावट की जाती है को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। भारद्वाज ने कहा कि इससे जनता को तो कोई फायदा नहीं हो रहा है। इसका सीधा फायदा उन बड़े-बड़े लोगों और राजनेताओं से जुड़े उद्योगपतियों को हो रहा है जो इथेनॉल बना रहे हैं, क्योंकि घर बैठे उनका इथेनॉल काफी महंगे दामों पर और जबरदस्ती बेचा जा रहा है।

डीडीयू कॉलेजः कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका स्थित दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) कॉलेज में कारगिल विजय स्मृति दिवस पर साहित्यिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें कविता, कहानी और विचारों से अमर शहीदों को नमन किया। इस दौरान युवाओं ने राष्ट्रभक्ति की अलख जगाई और वीर सैनिकों के परिवारों का भी सम्मान हुआ। इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, दिल्ली के पश्चिमी एवं नैर्ऋत्य केंद्र की ओर से हुए संयुक्त आयोजन का शुभारंभ परिषद् गीत भारती की लोकमंगल साधना साकार हो के सामूहिक गायन तथा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। संयोजक प्रो. पूनम राठी ने स्वागत भाषण में कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, राष्ट्रनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सैनिक जहां सीमाओं की रक्षा करते हैं, वहीं साहित्यकार समाज में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन करते हैं। यहां ओजस्वी कविताओं, प्रेरक कहानियों और पुस्तक-सार प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल के अमर वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई, जबकि युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे आयोजन को विशेष ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय बात युवाओं की बड़ी और सक्रिय भागीदारी रही।

'युवा पीढ़ी राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध'

कारगिल विजय दिवस पर एबीवीपी ने आयोजित की तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कारगिल विजय दिवस पर देशभर में आयोजित तिरंगा यात्राओं में युवाओं की अभूतपूर्व सहभागिता ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की युवा पीढ़ी राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राष्ट्रनिर्माण एवं राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है। एबीवीपी सदैव विद्यार्थियों के न्यायोचित विषयों के समाधान के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। एबीवीपी का स्पष्ट मत है कि विद्यार्थियों के न्यायोचित विषयों को किसी भी राजनीतिक स्वार्थ अथवा राष्ट्रविरोधी एजेंडे का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की अपनी मांग को पुनः मुखर करते हुए एबीवीपी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशविरोधी शक्तियों द्वारा भारतीय सेना के विरुद्ध की गई अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों का उक्त कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिवाद किया है। भारत का विद्यार्थी समाज सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानता है और देशविरोधी शक्तियों का माध्यम कभी नहीं बनेगा।

जनता संग महापौर वाही ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने रोहिणी सेक्टर-8 के सम्मानित नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 136 वां एपिसोड सुना। इस मौके पर महापौर ने नागरिकों के साथ सामूहिक श्रवण के दौरान राष्ट्र हित एवं जनसेवा के संकल्प को सुदृढ़ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचारों को आत्मसात किया है। पीएम मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके प्रेरणादायक विचारों ने उपस्थित सभी नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, सेवाभाव एवं कर्तव्य के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। महापौर वाही ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का शौर्य और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का अमिट स्रोत है। ऐसे में पीएम मोदी मन की बात के माध्यम से देशवासियों को अपने दिए गए संदेश समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी का बोध कराते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्रहित, स्वच्छता, जनसेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। महापौर ने कहा कि इस मौके पर लोगों के साथ स्थानीय मुद्दों व विकास को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई। जनता के साथ सतत संवाद ही सुशासन की सबसे बड़ी शक्ति है।

मानवता की सेवा में किया गया रक्तदान सैनिकों के बलिदान की भावना के समान : विजेन्द्र

नई दिल्ली। मातृभूमि की रक्षा में बहाया गया रक्त हमारी स्वतंत्रता को सुरक्षित करता है और मानवता की सेवा में किया गया रक्तदान जीवन बचाता है, दोनों ही राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निस्वार्थ समर्पण और बलिदान के प्रतीक हैं। यह बात रविवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने महाराजा अग्रसेन भवन, रोहिणी में आयोजित वार्षिक रक्तदान शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विजेंद्र ने कारगिल के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की तथा भारतीय सैनिकों की पवित्र स्मृति को एक महान मानवीय पहल से जोड़ने के लिए आयोजकों की सराहना की। पदाधिकारियों, वीर सैन्य पूर्व सैनिकों, गणमान्य अतिथियों एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की वीरगाथा का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सत्ताईस वर्ष पहले बहुत प्रतिकूल मौसम एवं दुर्गम पर्वतीय परिस्थितियों में भारत के वीर सैनिकों ने देश की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की थी। दुर्गम पर्वत चोटियों पर चढ़कर घुसपैठियों को खदेड़ते हुए हमारे वीर जवानों ने यह सुनिश्चित किया कि लद्दाख की पर्वत श्रृंखलाओं पर भारत का तिरंगा सदैव गर्व के साथ लहराता रहे। लद्दाख एवं कारगिल के युद्धस्थलों की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए विजेंद्र ने उन ऐतिहासिक स्थलों को याद किया, जहां यह भीषण युद्ध लड़ा गया था। उन्होंने सीमा से लगे थांग जैसे गांवों के स्थानीय निवासियों से हुई अपनी बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1971 के युद्ध में भारतीय सैनिकों ने शून्य से कई डिग्री नीचे तापमान के बीच अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए लगभग 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पुनः भारत के अधिकार में लिया था।

खबर संक्षेप

अवैध देसी कट्टा रखने व बेचने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने अवैध हथियार रखने व हथियार को बेचने वाले आरोपी सहित 2 लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 जुलाई 2026 को क्राईम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि रोहित निवासी गांव गोच्छी फरीदाबाद अवैध हथियार लेकर जीवन नगर पार्ट.2 क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रोहित को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ। जिस पर आरोपी के विरुद्ध थाना मुजेसर में शस्त्र अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कर, उसे गिरफ्तार करके जांच आरंभ की गई।

फर्जी दस्तावेज से जमानत लेने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सेंट्रल फरीदाबाद की पुलिस ने पंकज निवासी संजय कॉलोनी फरीदाबाद को फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से जमानत लेने के मामले में 25 जुलाई को पाली-भांखरी रोड क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसको माननीय अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि थाना सारन के वर्ष 2020 के एक मामले में आरोपित पंकज जेल में बंद था। सर्टिफिकेट तथा अन्य दस्तावेज जमानत के रूप में न्यायालय में प्रस्तुत किए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर वर्ष 2023 में उसको अदालत से जमानत मिल गई थी। जमानती व्यक्ति ना तो जमानत के लिए अदालत में आया और ना ही उसने अपनी मोटरसाइकिल के दस्तावेज जमानत के रूप में दिये थे। घटनाक्रम में फर्जी जमानती चमन उर्फ मोहित निवासी समयपुर फरीदाबाद तथा आरोपी के पिता षड्यंत्रकर्ता धीरज को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

यूरोनैविगेशन तकनीक की मदद से ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला गया

बिना सर्जरी के सफलतापूर्वक निकाला ब्रेन ट्यूमर, तीन घंटे चली जटिल सर्जरी, पांच दिन में किया डिस्चार्ज

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद में न्यूरोनैविगेशन-गाइडेड स्कार-फ्री सर्जरी से ब्लीडिंग पिट्यूटरी ट्यूमर निकाला गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

इराक के रहने वाले युवा ताहा हसन अली, जो लंबे समय से लगातार सिरदर्द, आंखों की रोशनी कम होने और हार्मोनल गड़बड़ी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे, उन्हें मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद में अत्याधुनिक स्कार फ्री ब्रेन सर्जरी के जरिए नया जीवन मिला। खास बात यह ही की डॉक्टरों ने बिना खोपड़ी खोले और बिना

शरीर पर किसी बाहरी चीरे के, केवल नाक के रास्ते न्यूरोनैविगेशन तकनीक की मदद से मस्तिष्क में मौजूद ब्लीडिंग पिट्यूटरी ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया। करीब तीन घंटे चली इस जटिल सर्जरी के बाद मरीज को पांचवें दिन स्वस्थ हालत में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

ताहा हसन अली की तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। कम उम्र में ही उन्हें तेज सिरदर्द और आंखों की रोशनी कम होने की समस्या होने लगी थी। इलाज के लिए वह भारत पहुंचे। जांच के दौरान दोनों आंखों के विजुअल फील्ड में कमी पाई गई। इसके बाद कराए गए कॉन्ट्रास्ट एमआरआई में पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर के साथ उसके भीतर रक्तस्राव (पिट्यूटरी एपोप्लेक्सी) की पुष्टि हुई। यह स्थिति न्यूरोसर्जरी की दृष्टि से बेहद गंभीर और जानलेवा मानी जाती है। उपचार शुरू करने से पहले मरीज की हार्मोनल और अन्य आवश्यक जांचें भी की गई।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विधायक शर्मा ने किया सामुदायिक भवन में आधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिली नई सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

बल्लभगढ़ के विधायक एवं हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने आज सेक्टर.2 स्थित सामुदायिक भवन में रसोई शेड, हाई मास्क लाइट तथा वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) प्रणाली का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं आरडब्ल्यूए पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। सामुदायिक भवन में विकसित की गई इन सुविधाओं से स्थानीय लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन प्रणाली जल संरक्षण की

दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैए जबकि हाई मास्क लाइट से क्षेत्र में सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से इन सार्वजनिक सुविधाओं का संरक्षण करने तथा स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन आरडब्ल्यूए सोसायटीज, सेक्टर-2 फरीदाबाद द्वारा किया गया। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने विधायक पंडित मूलचंद शर्मा का स्वागत करते हुए क्षेत्र की मांगों को प्राथमिकता देने और विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इसके अलावा बल्लभगढ़ सेक्टर 2 में सोसाइटीज द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया, इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कम्युनिटी सेंटर में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर मार्किट कमेटी चेयरमैन संजीव बैंसला, पार्षद किरण बाला, सोनू वैष्णव, योगेश शर्मा, रवि भगत, जसवंत सैनी, सीएम विंडो एमिनेंट सदस्य राहुल गोयल विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे। सेक्टरवासियों ने सभी का स्वागत किया। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने सेक्टरवासियों को भरोसा दिलाया कि सेक्टरों में विकास के मामले में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। विधायक शर्मा ने स्वयं अपने स्वास्थ्य की भी जांच कराई। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य कैंप लगने से नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का लाभ मिलता है।

आरोपियों को 3 दिन के रिमांड पर लिया

ठगी के मामले में खाता उपलब्ध कराने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने टेलीग्राम टास्क के नाम पर एक महिला से 7,69,308 की साइबर ठगी के मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले दो आरोपितों को उत्तर प्रदेश के हापुड़ रोड क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान धीरज तथा प्रवीण मीणा निवासी जयपुर राजस्थान के रूप में हुई है। दोनों आपस में सगे भाई हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी जयपुर में एक होटल का संचालन करते हैं। इन्होंने अपने साथी समीर से बैंक खाता लेकर आगे साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसके माध्यम से ठगी की रकम का लेन-देन किया गया। इस मामले में खाताधारक विकास और समीर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों भाई ग्रेजुएट हैं, जिनको माननीय न्यायालय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान ठगी के नेटवर्क, अन्य सहयोगियों, बैंक खातों तथा लेन-देन की विस्तृत जानकारी जुटाई जायेगी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-64 निवासी एक महिला ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि जून 2025 में उसके व्हाट्सएप पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे कमाई करने का लालच दिया गया।

इसके बाद साइबर ठगों ने शिकायतकर्ता को एक लिंक भेजा और टेलीग्राम आधारित एप डाउनलोड करने के लिए कहा। एप डाउनलोड करने के बाद महिला को शुरुआती तौर पर 1,000 का बोनस दिया गया जिससे उसका विश्वास जीत लिया गया। प्रारंभ में उसे ऑनलाइन जूते एवं कपड़ों की खरीदारी से जुड़े छोटे-छोटे टास्क पूरे करवाए गए और उनका भुगतान भी किया गया। बाद में ठगों ने अधिक मुनाफे का लालच देकर महिला को प्रीपेड टेलीग्राम टास्क में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। अधिक लाभ मिलने की उम्मीद में 26 मार्च से लेकर 1 अप्रैल के बीच महिला ने ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 7,69,308 भेज दिये।

राशि जमा कराने के बाद न तो महिला को कोई लाभ मिला और न ही उसकी रकम वापस की गई। स्वयं को ठगी का शिकार समझने पर पीड़िता ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सहयोगियों से बैंक खातों की विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी

खुले दरबार में मंत्री राजेश नागर ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकांश का मौके पर समाधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में देश की युवा शक्ति को सराहा: राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निवास पर प्रत्येक रविवार की तरह आयोजित खुले दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। मंत्री ने एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी तथा अधिकांश

समस्याओं का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समाधान कराया। जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव नहीं थी, उन्हें शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। खुले दरबार में कई ऐसे नागरिक भी पहुंचे, जिनकी समस्याओं का पूर्व में समाधान हो चुका था। उन्होंने मंत्री राजेश नागर का आभार व्यक्त करते हुए उनके जनसरोकार और त्वरित कार्यशैली की सराहना की। मंत्री ने सभी की शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए कहा कि जनता की सेवा ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता है।

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने विकास कार्यों एवं कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा

नवंबर तक विकास कार्य पूर्ण करने तथा कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराना सुनिश्चित करें: प्रभारी मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के मंत्री व गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने रविवार को विकास कार्यों एवं कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने व कांवड़ महोत्स को बिना किसी बाधा के सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ यात्रा को पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त बनाए जाने पर विशेष बल दिया।

विकास भवन सभागार में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से महापौर श्रीमती सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, एमएलसी दिनेश गोयल, विधायक मोदीनगर डॉ मंजू सिवाच, विधायक सदर संजीव शर्मा, विधायक मुरादनगर अजीत पाल त्यागी, विधायक लोनी नंदकिशोर गुर्जर, जिला अध्यक्ष भाजपा चैनपाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं प्रशासन की ओर से पुलिस कमिश्नर जेरविंदर गौड़, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़, डीसीपी राज करन नैय्यर, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में आंदोलन को लेकर चर्चा हुई

राष्ट्रीय जाट महासभा की बैठक में 12 अक्टूबर को जाट आरक्षण आंदोलन की तैयारी को लेकर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

नीलकंठ हाउस पर राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय जाट महासभा भारत की कोर कमेटी की मीटिंग रविवार को सम्पन्न हुई। जिसमें 12 अक्टूबर 2 को दिल्ली में जाट आरक्षथण की मांग को लेकर किसान घाट से संसद भवन तक होने वाले पैदल मार्च को सफल बनाने के लिए चर्चा हुई। आंदोलन को लेकर होने वाले मार्च के संबंध में रणनीति तय की गई । इस अवसर पर संगठन की कोर कमेटी का भी घटन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सचिन सरोहा,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी

गजेंद्र सिंह नीलकंठ, राष्ट्रीय महासचिव चौधरी अजय पाल सिंह प्रमुख, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रिशिपाल सिंह नैन, राष्ट्रीय महासचिव विजेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष कपिल चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव विपिन चौधरी सहित संगठन के प्रबुद्ध लोगों को शामिल किया गया। मेरठ जिला जाट महासभा रोहटा रोड जिसके अध्यक्ष हरिंदर सिंह चौहान ने अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ अपने विलय राष्ट्रीय जाट महासभा भारत में विश्वास व्यक्त करते हुए किया।

उद्योग में तकनीकी नवाचार और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देगा

आइस मेक रेफ्रिजरेशन और जापान की गैलीली होल्डिंग्स के बीच रणनीतिक साझेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

औद्योगिक एवं वाणिज्यिक रेफ्रिजरेशन समाधान उपलब्ध कराने वाली आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने जापान की सूचीबद्ध कंपनी गैलीली होल्डिंग्स कंपनी लिमिटेड के साथ रणनीतिक निवेश और संयुक्त उपक्रम (जॉइंट वेंचर) के लिए अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी को कंपनी के दीर्घकालिक विकास, तकनीकी क्षमता के विस्तार और भारतीय बाजार में मजबूत उपस्थिति स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

समझौते के तहत गैलीली होल्डिंग्स प्रेफरेंशियल इक्विटी इश्यू के माध्यम से आइस मेक में 180 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके अलावा, कंपनी अन्य निवेशकों से भी 10 करोड़ रुपए जुटाएगी। यह निवेश शेयरधारकों की मंजूरी, स्टॉक एक्सचेंजों की सैद्धांतिक स्वीकृति और अन्य नियामकीय शर्तों के अधीन रहेगा।

दोनों कंपनियां मिलकर एक संयुक्त उपक्रम स्थापित करेंगी, जिसमें गैलीली की 60 प्रतिशत और आइस मेक की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। यह संयुक्त उपक्रम कमर्शियल अपराइट रेफ्रिजरेटर, कमर्शियल टेबल रेफ्रिजरेटर तथा अन्य संबंधित रेफ्रिजरेशन उत्पादों के निर्माण, विपणन और वितरण पर केंद्रित रहेगा। माध्यम से गैलीली की वैश्विक तकनीकी विशेषज्ञता और आइस मेक की भारतीय बाजार में मजबूत पकड़ का लाभ ग्राहकों को मिलेगा।

कंपनी के अनुसार, जुटाई गई पूंजी का उपयोग उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मौजूदा विनिर्माण इकाइयों के आधुनिकीकरण और एकीकृत रेफ्रिजरेशन एवं कोल्ड रूम समाधानों के विस्तार में किया जाएगा। साथ ही, कंपनी रेफ्रिजरेशन और कोल्ड चेन क्षेत्र में संभावित अधिग्रहण के अवसरों का भी मूल्यांकन करेगी। इसके अलावा, नए कॉर्पोरेट कार्यालय, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और अत्याधुनिक डेवलपमेंट एवं टेस्टिंग लैब स्थापित करने की योजना भी बनाई गई है।

आरोपी ने शव को ज्वार के खेत में छिपाया था

प्रेमप्रसंग का पता चलने पर बहन की आरी के ब्लेड से हत्या करने वाला भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

काजीपुरा वेवसिटी के जंगल में युवती की हत्या कर शव को फेंकने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मृतक युवती का भाई है। उसने अपनी बहन की हत्या इस लिए कर दी, चूंकि उसकी बहन किसी युवक से प्रेम करती थी, जो उसे पसंद नहीं करता था। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि मनोज कुमार निवासी काजीपुरा वेवसिटी गाजियाबाद के ज्वार के खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। उक्त महिला के गले को किसी धारदार हथियार से काटा गया था। घटना के सफल अनावरण हेतु लगभग 400 से 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गयी तथा संदिग्ध व्यक्ति व वाहन स्वामियों से पूछताछ की गयई था घटनास्थल का बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) का डाटा लेकर घटनास्थल के आसपास उस दौरान चल रहे मोबाइल विश्लेशण कर यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि मौजूद थे। रविवार को थाना वेवसिटी पुलिस टीम एवं स्वॉट टीम एंव सर्विलांस टीम नगर जोन कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा मेनुअल इनपुट के आधार पर उपरोक्त अभियोग में साक्ष्य संकलन के आधार पर हत्या की घटना को अंजान देने वाले दीपक कुमार निवासी गांव बंधवाताल पोस्ट हरैया नानकार थाना बांसी जनपद सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश हत्या करने में प्रयुक्त किया गया। आरी के ब्लेड के साथ काजीपुरा शराब के ठेके के पास बनी झुग्गी झोपडी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ने पूछताछ मे बताया कि मैं जिला सिद्धार्थनगर का रहने वाला हूँ नई बिल्डिंग/ घर बनते है उनमें रंग/पीओपी करने का काम करता हूँ और अब मैं वेवसिटी में जो नई बिल्डिंग बन रही है उसमें पेन्ट का काम कर रहा हूँ । मेरी बहन मृतका रीमा जिसके बारे में मुझे पता चला था कि वह किसी लड़के से बात करती है तो मैने अपनी बहन रीमा उम्र 18 वर्ष को काफी समझाया था कि ऐसा मत कर परंतु मेरी बहन रीमा नही मान रही थी दिनांक 22जुलाई को मै इसी बात को लेकर अपनी बहन रीमा को समझा रहा था कि तभी वह कहने लगी कि मैं उसी लडके से शादी करूगीं, चाहे तुम कुछ भी कर लो और तभी मुझे अचानक बहुत गुस्सा आ गया और मैने अपनी बहन रीमा को ग्राम काजीपुरा के पास एक ज्वार के खेत के पास गला दबाकर एवं पेन्ट के काम में प्रयोग होने वाले आरी के ब्लेड से उसका गला काटकर हत्या कर दी।

स्पा सेंटर में पुलिस की रेड, 7 महिलाएं-युवक हिरासत में

फरीदाबाद। एनआईटी-5 स्थित रेलवे रोड पर संचालित नमस्ते फैमिली स्पा में शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 घंटे तक छापेमारी की। पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराया जा रहा है और यहां नशा बेचे जाने की गतिविधियां भी संचालित होती हैं। इसी सूचना के आधार पर दोपहर करीब 1 बजे एनआईटी थाना पुलिस और महिला थाना एनआईटी की टीम ने संयुक्त रूप से स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस ने स्पा सेंटर पहुंचते ही पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। इसके बाद स्पा सेंटर के सभी कमरों की तलाशी ली गई करीब 6 घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटर में मौजूद सभी महिलाओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने वहां काम करने वाले एक युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

समारोह में उत्साहपूर्वक लोगो ने भाग लिया

रणबीर सिंह गंगवा ने कहा- शिक्षा और संगठन से होगा समाज का विकास

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहा समान विकास: मूलचंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

प्रजापति युवा शक्ति महासभा के तत्वावधान में बल्लभगढ़ अनाज मंडी परिसर में महाराजा दक्ष जयंती एवं प्रजापति मेधावी विद्यार्थी व वृद्ध सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा समाज में शिक्षा, एकता और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणबीर सिंह गंगवा ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, साथ ही हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ के विधायक पंडित मूलचंद शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही फरीदाबाद

महानगर भाजपा जिलाअध्यक्ष सोहन पाल सिंह भी मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कैबिनेट मंत्री चौधरी रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति के आदर्श समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और सामाजिक समरसता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं और बुजुर्गों का सम्मान समाज की समृद्ध परंपरा का प्रतीक है तथा इससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने समाज के विकास एवं जनहित कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपए देने की घोषणा की, जिसका उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने आयोजकों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य कर रही है। उन्होंने समाज से शिक्षा, संगठन और सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

ताजमहल में विदेशी पर्यटक को बंदर ने काटा

आगरा। ताजमहल परिसर में बुधवार सुबह रॉयल गेट के पास बंदर ने फ्रांस की महिला पर्यटक गायोनेट-गौविन पर पीछे से हमला कर दिया। बंदर के काटने से उनकी पीठ पर घाव हो गया। मौके पर सुरक्षाकर्मी पहुंचे और महिला को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई। ताजमहल में पर्यटकों के साथ बंदरों के हमले की कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं।

री-नीट धांधली: 2 मेडिकल छात्रों को नोटिस

पटना। डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए 21 जून को आयोजित री-नीट परीक्षा में धांधली और सॉल्वर गैंग से साठगांठ के मामले में आर्थिक अपराध इकाई की जांच अब एसकेएमसीएच तक पहुंच गई है। शनिवार को दो छात्रों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया गया है। 2 मई कोआयोजित नीट एग्जाम को पेपर लीक के सबूत मिलने पर रद्द कर दिया गया था।

'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा दुर्भाग्यपूर्ण: निशिकांत

रांची। भाजपा के कद्दावर नेता और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ में मजबूत पकड़ रखने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस रेजिग्नेशन को भारत के इतिहास की दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। सांसद ने धर्मेंद्र प्रधान के कामकाजों को गिनाते हुए उनके कार्यकाल को याद किया। इसके साथ ही देश के माता-पिता को उनके बच्चों से जुड़ी एक सलाह भी दे डाली।

विजय दिवस पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने वीर परिवारों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में महापौर सुषमा खर्कवाल ने श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया! कार्यक्रम में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित कर उनके त्याग और बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल शौर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि आज देश को बाहरी दुश्मनों के साथ-साथ आंतरिक चुनौतियों और समाज में भ्रम फैलाने वाली शक्तियों से भी सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कारगिल विजय दिवस पर जन भवन में वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि

राज्यपाल ने की अपील - युवा पीढ़ी तक पहुंचे कारगिल के शौर्य की गाथा

जन भवन के गांधी सभागार में भारतीय सेना के वीर जवानों के अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा कर्मियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और प्रेरणादायी नाटक के माध्यम से कारगिल युद्ध के अमर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से लखनऊ स्थित जन भवन के गांधी सभागार में भारतीय सेना के वीर जवानों के अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा कर्मियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और प्रेरणादायी नाटक के माध्यम से कारगिल युद्ध के अमर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। नाटक में कैप्टन सौरभ कालिया, परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे और सूबेदार मेजर योगेंद्र सिंह यादव के अद्वितीय शौर्य का प्रभावशाली मंचन किया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में भी होने चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी सैनिकों के त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय अत्यंत कठिन परिस्थितियों में हमारे सैनिकों के अदम्य साहस का परिणाम थी। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का भी उल्लेख करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, सकारात्मक सोच अपनाने और समाज को सही दिशा देने का आह्वान किया।

आगरा, मैनपुरी और इटावा में सीएम ने लगाई विकास योजनाओं की झड़ी

मुख्यमंत्री योगी ने मैनपुरी में कहा- 'समाजवादी पार्टी के गुंडों ने लोगों का जीना हराम कर रखा था'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में 682 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिससे 19 लाभार्थियों को लाभ मिला। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए अपनी सरकार की विकास, कानून-व्यवस्था और किसान कल्याण की उपलब्धियां गिनाईं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आगरा/मैनपुरी/इटावा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्हें छात्रों को सच और झूठ में अंतर पता करना, सोशल मीडिया के दुष्प्रचार से बचने का तरीका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग भी सिखाना होगा। भारत विरोधी ताकतें इन्हीं माध्यमों का दुरुपयोग कर समाज में भ्रम, विद्वेष और अव्यवस्था फैलाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए शिक्षण संस्थानों को युवाओं को जागरूक करने के लिए आगे आना होगा। सीएम रविवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

खास बातें

- मैनपुरी में 682 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत
- इटावा में 604 करोड़ की पिरयोजनाओं की सौगात

पहले मैनपुरी के नाम पर नौजवानों को होटल में कमरे नहीं मिलते थे

सीएम योगी ने मैनपुरी में समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा, ꠸एक समय ऐसा भी था जब मैनपुरी के नाम पर लोग घबराते थे। मैनपुरी के नाम पर यहां के नौजवानों को होटल में कमरे नहीं मिलते थे, धर्मशाला में कोई टिकने नहीं देता था। और दूसरे शहरों में वह कितना भी शरीफ हो, कितना भी ईमानदार हो, किराए के मकान देने में भी लोगों को थोड़ा परहेज करना होता था। आज अगर मैनपुरी का नौजवान भी, मैनपुरी का किसान भी, मैनपुरी का व्यापारी भी अगर प्रदेश के बाहर, देश के किसी कोने में जाता है और अगर वह अपना परिचय देता है कि मैं यूपी से हूं, मैनपुरी से हूं, सामने वाले व्यक्ति का चेहरा चमकता है और वह सम्मान देने के लिए उतावला दिखाई देता है।'

व्यापारी यूपी के अंदर निवेश नहीं करना चाहता था: सीएम

सीएम योगी ने कहा, 'लेकिन ये समाजवादी पार्टी के गुंडों ने जीना हराम कर रखा था। व्यापारी यूपी के अंदर निवेश नहीं करना चाहता था। क्योंकि इसे भय था। पूंजी लगाऊंगा तो पूंजी तो डूबेगी ही डूबेगी उसकी सुरक्षा भी खतरे में जाएगी। कैसे समाजवादी पार्टी के समय में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय मदन चौहान के पेट्रोल पंप के अंदर घुस करके गोली मारी गई थी। इसी मैनपुरी में मारी गई थी। यही समाजवादी पार्टी की सरकार थी।

कांवड़ यात्रा की तैयारी

योगी सरकार चलाएगी अतिरिक्त बसें और 24 घंटे सक्रिय रहेगा कंट्रोल रूम

एजेंसी ⏭ लखनऊ

योगी सरकार ने आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांवड़ यात्रियों के लिए यूपीएसआरटीसी अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। साथ ही इस दौरान निगरानी के लिए 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम बसों के सुरक्षित संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय पर 24 घंटे संचालित होने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा शुरू होने से लेकर उसके समापन तक लगातार कार्य करेगा व सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा।

हरिद्वार सहित प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलेंगी

परिवहन मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी।

बस स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पूछताछ कक्ष, ध्वनि प्रसारण प्रणाली और खान-पान के स्टॉल सुचारु रूप से संचालित रहें ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पेज एक का शेष

डिजिटल संसद की...

प्रकाश डाला। हरिवंश ने कहा कि सांसदों का सीखना इस कार्यशाला के साथ समाप्त नहीं होता, बल्कि यह स्वयं को लगातार बेहतर बनाने की यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने नए सदस्यों से पूर्व की संसदीय बहसों का अध्ययन करने, अटल बिहारी वाजपेयी, अरुण जेटली और चंद्रशेखर जैसे दिग्गज सांसदों के भाषणों को सुनने तथा विश्व की संसदीय परंपराओं से सीखने का आह्वान किया। समापन पर उपसभापति ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित सदस्य अपने कार्यकाल के दौरान राज्यसभा की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और प्रभावी जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

मीराबाई चानू ने ...

अधिक वजन उठाकर एकतरफा जीत दर्ज की। स्नैच राउंड में उन्होंने 85 किग्रा उठाकर नया कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड भी स्थापित किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का यह कुल तीसरा पदक है। इससे पहले पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर और हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

मणिपुर की हैं ....

मणिपुर पुलिस में एडिशनल एसपी के पद पर कार्यरत हैं।

नंदन नीलकेणी को ...

मॉनिटरिंग जैसे उपायों पर सिफारिशें तैयार करेगी। उद्देश्य ऐसी परीक्षा व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें प्रश्नपत्र की सुरक्षा से लेकर परीक्षार्थियों की पहचान और मूल्यांकन तक पूरी प्रक्रिया तकनीक के जरिए अधिक विश्वसनीय और छेड़छाड़-मुक्त बनाई जा सके। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब पिछले वर्षों में कई राष्ट्रीय परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए थे। इन्हीं घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज और परीक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय सुधार प्रक्रिया शुरू की थी। तकनीक आधारित शासन सुधारों में नंदन नीलेकणी का लंबा अनुभव रहा है। आधार और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। सरकार को उम्मीद है कि उनके अनुभव का उपयोग परीक्षा प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने में किया जा सकेगा। टास्क फोर्स की सिफारिशें लागू होती हैं तो भविष्य में परीक्षा संचालन, प्रश्नपत्र सुरक्षा, उम्मीदवार सत्यापन और मूल्यांकन प्रक्रिया में बड़े तकनीकी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इससे परीक्षा प्रणाली में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और गड़बड़ियों की संभावना भी घटेगी।

घर-घर में ...

कंपनी में उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और बाद में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। नंदन नीलेकणि को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में देश की सबसे बड़ी डिजिटल और सामाजिक पहचान परियोजना 'आधार' का नेतृत्व करने का श्रेय दिया जाता है। भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया है। इसके अलावा, वे डिजिटल साक्षरता मंच एकेस्टेप के सह-संस्थापक भी हैं।

परीक्षा सुधार: ...

कहना है कि संशोधन का उद्देश्य पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली संगठित धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित जांच, शीघ्र सुनवाई और अधिक कठोर दंड सुनिश्चित करना है।

2024 के कानून को और सशक्त बनाने की पहल: गौरतलब है कि सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को सरकारी भर्ती परीक्षाओं और अन्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक तथा नकल रोकने के उद्देश्य से लागू किया गया था। अब हाल के घटनाक्रमों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए पेपर लीक के मामलों को देखते हुए सरकार इस कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाने जा रही है। सरकार का मानना है कि संशोधन विधेयक के लागू होने से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, संगठित पेपर लीक गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा लाखों अभ्यर्थियों का सार्वजनिक परीक्षाओं पर भरोसा और मजबूत होगा।

संशोधन विधेयक....

शिकंजा कसने की तैयारी है। यदि कोई एजेंसी या उसके अधिकारी दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 5 करोड़ रुपये तक का जुर्माना, लंबी अवधि तक सार्वजनिक परीक्षाओं से प्रतिबंध और संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने का प्रावधान किया गया है।

कारगिल विजय दिवस....

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी की सफलता: प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले रविवार 'विक्रम-1' रॉकेट का सफल प्रक्षेपण पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा विकसित ऑर्बिटल रॉकेट है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक अंतरिक्ष क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए बंद रहा, लेकिन सरकार ने इसे खोलने का निर्णय लिया, जिसके सकारात्मक परिणाम अब पूरी दुनिया देख रही है।

खेलों में भारत की शानदार उपलब्धियां: प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ खेलों में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने पी. वी. सिंधु को जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने पर बधाई दी। साथ ही लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली टेस्ट जीत को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि जिस मैदान पर 1983 में भारत ने पहला क्रिकेट विश्व कप जीता था, वहीं अब नारी शक्ति ने नया इतिहास रचा है।

विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों का दबदबा: प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महीने आयोजित भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित ओलंपियाड में भारतीय छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते। जीव विज्ञान में भी सभी प्रतिभागियों ने पदक जीते, जबकि गणित ओलंपियाड में भारत ने दो स्वर्ण और चार रजत पदक हासिल किए।

वोकल फॉर लोकल और पारंपरिक विरासत का सम्मान: प्रधानमंत्री ने कश्मीर की पारंपरिक 'वागु' चटाई का उल्लेख करते हुए श्रीनगर के गुलाम हुसैन और उनकी बेटी तंजीला के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित किया। उन्होंने देशवासियों से इस पर्यावरण अनुकूल उत्पाद को अपनाने की अपील की। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बिजनौर में स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' का भी उल्लेख किया, जिसे महाकुंभ और अंतरराष्ट्रीय खाद्य महोत्सव में सराहना मिली।

पर्यावरण संरक्षण और 'एक पेड़ मां के नाम': प्रधानमंत्री ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अहमदाबाद में एक घंटे के भीतर 3.5 लाख पौधे लगाए गए, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में भी एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाए गए। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण पर चिंता जताते हुए बिहार के सीतामढ़ी में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से मजबूत और पर्यावरण अनुकूल बेंच बनाने की पहल की सराहना की।

खादी और हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा: प्रधानमंत्री ने कहा कि 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में खादी की बिक्री छह गुना बढ़कर लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने आगामी त्योहारों के दौरान कम-से-कम एक खादी, हथकरघा या हस्तशिल्प उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम और गुरु पूर्णिमा का उल्लेख: प्रधानमंत्री ने कहा कि 27 जुलाई को भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का व्यक्तित्व प्रेरणादायी था और शिक्षक की भूमिका उनके सबसे करीब थी। उन्होंने इस सप्ताह मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा पर्व की भी चर्चा करते हुए सभी गुरुओं और मार्गदर्शकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया।

हर घर तिरंगा अभियान में भागीदारी की अपील: अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले असंख्य वीरों को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में 'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। उन्होंने इस वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ इस अभियान में भाग लेने और स्वतंत्रता दिवस से पहले माईगव पोर्टल पर अपने सुझाव साझा करने का आग्रह किया।

रक्षा क्षेत्र में ...

कि इसी महीने इंडोनेशिया यात्रा के दौरान ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइल से जुड़े महत्वपूर्ण समझौते हुए, जो भारतीय रक्षा तकनीक पर बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण हैं।

कैच द रेन ...

जिम्मेदारी लेकर पानी की हर बूंद बचाने का आह्वान किया।

भाजपा का तंज- भाईजान कोलैबोरेशन

'हाथ मिला लो बाद में रोना नहीं' अखिलेश को ओवैसी का ऑफर

एजेंसी ⏭ लखनऊ

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले सियासी बयानबाजी गर्माने लगी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी (SP) के अध्यक्ष अखिलेश यादव को खुले मंच से गठबंधन का बड़ा ऑफर दिया है। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को दोबारा सत्ता में आने से रोकने के लिए समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार है। मुरादाबाद रैली में ओवैसी ने वोट बंटवारे और मुस्लिम वोटों के बिखराव पर खुलकर बात की।

एआईएमआईएम चीफ ने कहा, ꠸मजलिस नहीं चाहती कि उत्तर प्रदेश में भाजपा फिर से सरकार बनाए। मैं हाथ मिलाने को तैयार हूं, मैं गठबंधन करने को तैयार हूं। आज वक्त है, बात कर लो, बाद में चुनाव खत्म होने के बाद रोना मत। आप कहते हैं कि ओवैसी के चुनाव लड़ने से आपको नुकसान होता है, तो चलिए मैं आपके साथ मिलकर लड़ने को तैयार हूं।

ओवैसी ने मुस्लिम नेतृत्व और हिस्सेदारी पर जोर देते हुए कहा, ꠸हमारी लड़ाई किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि हक और इंसाफ की है। अब हम नीचे दरी बिछाकर नहीं बैठना चाहते, हम बराबरी चाहते हैं। अगर अखिलेश यादव कुर्सी पर बैठेंगे, तो ओवैसी भी उस कुर्सी के सामने पैर पर पैर चढ़ाकर बैठेगा और हक की बात करेगा।

सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा

तेज प्रताप की गिरफ्तारी पर तेजस्वी के बाद रोहिणी भड़कीं

एजेंसी ⏭ पटना

लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव को हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर बेऊर जेल भेज दिया गया। शनिवार को वे आइसा के बिहार बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरे थे। उनकी गिरफ्तारी पर सियासत गर्म हो गई है। बहन रोहिणी आचार्य ने भाई की गिरफ्तारी पर सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस गिरफ्तारी के खिलाफ सरकार को चेतावनी दी।

बिहार बंद के दौरान पटना में पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव को गिरफ्तार किया गया। हजारों किलोमीटर दूर सिंगापुर में बहन रोहिणी आचार्य पुलिस की इस कार्रवाई से दुखी हो गईं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाई के लिए बहन का दर्द छलक गया। निशाने पर आ गए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी। अपने पोस्ट में रोहिणी आचार्या ने लिखा- ꠸तेज प्रताप यादव की गिरफ्तारी सम्राट सरकार की तानाशाही है। मुख्यमंत्री से पूछता है बिहार.. क्या शिक्षा - व्यवस्था को सुधारने की मांग के साथ जारी छात्रों -युवाओं के आंदोलन , प्रदर्शन को समर्थन देना अपराध है? उन्होंने कहा कि सम्राट सरकार की पुलिस के द्वारा तथ्यहीन और झूठे आरोपों में तेज प्रताप यादव को गिरफ्तार किया जाना साफ तौर पर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। छात्रों, युवाओं और जनता की समस्याओं के लिए आवाज उठाना हर भारतीय नागरिक का मौलिक अधिकार एवं दायित्व है।

मगरमच्छ आया, मुर्गा खाया और निकल गया

वन विभाग के पिंजरे का गेट बंद ही नहीं हुआ, लालगढ़ी के ग्रामीण दहशत में

कई दिनों से मगरमच्छ गांव के तालाब में आकर छुपा है

एजेंसी ⏭ बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक मगरमच्छ ने ग्रामीणों को दहशत में डाला हुआ है। कई दिनों से मगरमच्छ गांव के तालाब में आकर छुपा हुआ है। आसपास से गुजरने वाले लोगों को मगरमच्छ के अटैक का खतरा मंडरा रहा है। तालाब में मगरमच्छ के आने की घटना के बाद ग्रामीणों ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग की ओर से इसको पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया। पिंजरे में मगरमच्छ को लुभाने के लिए मुर्गा भी रखा गया। मगरमच्छ मुर्गे की गंध को सूंघकर पिंजरे में पहुंचा। आराम से चिकन की दावत उड़ाई। इसके बाद आराम से पिंजरे से निकल गया। वन विभाग की ओर से पिंजरे का गेट बंद नहीं होने के कारण उसे पकड़ा नहीं जा सका। मामला खासी चर्चा में है।

पिंजरे में भी रखा था मुर्गा

मामला बुलंदशहर जिले के छतारी थाना क्षेत्र के गांव लालगढ़ी का है। लालगढ़ी के लोग मगरमच्छ को लेकर दहशत में हैं। दरअसल, गांव की तालाब में मगरमच्छ आ धमका था। इसको पकड़ने के लिए वन विभाग की ओर से लगाए गए पिंजरे में हैरान करने वाली घटना सामने आई। पिंजरे में रखे मुर्गा को मगरमच्छ आराम से खाकर बाहर निकल गया, लेकिन पिंजरे का गेट बंद ही नहीं हुआ।

मौजूद है मगरमच्छ पकड़ने का प्रयास जारी

बताया जा रहा है कि गांव लालगढ़ी के तालाब में पिछले कई दिनों से मगरमच्छ मौजूद है। इससे गाव के लोगों में दहशत का माहौल है। मगरमच्छ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, लेकिन तकनीकी खामी के चलते वह पकड़ में नहीं आ सका। फिलहाल वन विभाग की टीम मगरमच्छ को पकड़ने के लिए दोबारा प्रयास कर रही है। वन विभाग की ओर से मगरमच्छ को पकड़ने के लिए पिंजरे के सिस्टम को दुरुस्त किया गया है। गांव में पहुंची वन विभाग की टीम ने पिंजरे को सुधारा है।

200 करोड़ क्लब की ओर विजय की जन नायकन

नई दिल्ली। विजय थलापति की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड गढ़ रही है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि ओवरसीज मार्केट्स में भी इस फिल्म का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। विजय थलापति के स्टारडम के दम पर फिल्म ने अपने शुरुआती वीकेंड में ही दुनिया भर में ताबड़तोड़ कमाई की है और महज 3 दिनों के भीतर 200 करोड़ के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच गई है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने धमाकेदार ओपनिंग ली थी, हालांकि दूसरे दिन कमाई में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई, लेकिन तीसरे दिन (रविवार) फिल्म ने फिर से शानदार वापसी की।

लाइफ Style

आनंदी

सीन कटने से टूट गया दिल

एक्ट्रेस आनंदी अजय ने एक बेहद इमोशनल वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह बात करते-करते फफक कर रो पड़ती हैं। एक्ट्रेस का दावा है कि 1 साल काम करने के बाद थलपति विजय की 'जन नायकन' से उनके सीन काट दिए गए हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यह बात उन्हें फिल्म के रिलीज होने के बाद ही पता चली है। थलपित विजय की फेयरवेल फिल्म 'जन नायकन' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एक तरफ जहां फैंस ने सिनेमाघरों को उत्सव का रंग दे दिया है, वहीं एक्ट्रेस आनंदी अजय का दिल टूट गया है। विजय के साथ स्क्रीन शेयर करना उनका सपना था। इसके लिए उन्होंने 1 साल तक कड़ी मेहनत की और फिल्म में काम भी किया। लेकिन, जब डायरेक्टर एच. विनोद की फिल्म रिलीज हुई तो वह यह देखकर दंग रह गईं कि उनका कोई भी सीन फिल्म में नहीं है। आनंदी ने एक बेहद इमोशनल वीडियो शेयर किया है, जिसमें अपनी आपबीती बताते हुए वह फफक कर रो पड़ी हैं। 'जन नायकन' पहले सेंसर बोर्ड के साथ विवाद में फंसी थी। यह मूल रूप से जनवरी महीने में ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन 7 महीने का यह लंबा इंतजार भी आनंदी के लिए खुशी के पल लेकर नहीं आया। वीडियो पोस्ट में वह बताती हैं कि फिल्म के फाइनल एडिट से उनका सीन हटा दिया गया है। अब आनंदी का यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस उन्हें हिम्मत दे रहे हैं। तमिल टेलीविजन की पॉपुलर एक्ट्रेस आनंदी के लिए विजय की फिल्म का हिस्सा होना, जाहिर तौर पर बड़ी बात थी।

हॉलीवुड मसाला

द रिंग्स ऑफ... का टीजर ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2026 में प्राइम वीडियो ने 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द रिंग्स ऑफ पावर' सीजन 3 का टीजर ट्रेलर जारी किया। 99 सेकंड के इस प्रीव्यू में सीरीज के एक इंटेंस और डार्क दौर की झलक मिली, जिसमें मिडिल-अर्थ में सॉरॉन का उदय, 'वन रिंग' का निर्माण और फैलती हुई जंग नए सीजन की कहानी को आगे बढ़ाएगी। इस फुटेज को बेंजामिन वॉकर के मॉडरेट किए गए एक पैनल के दौरान दिखाया गया, जिसमें सिंथिया अडाई-रॉबिन्सन, ओवेन आर्थर, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, चार्ली विकर्स, डैनियल वेमैन और नए कलाकार जेमी कैंपबेल बॉवर चर्चा में शामिल हुए।

ब्लैक पैंथर का किरदार निभाएंगे डेविड....

लॉस एंजिल्स। 'ब्लैक पैंथर' फ्रेंचाइजी हॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म 'ब्लैक पैंथर' (2018) को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। इसका दूसरा भाग 'ब्लैक पैंथरः वकांडा फॉरएवर' 2022 में रिलीज हुआ। अब इसके तीसरे भाग 'ब्लैक पैंथर 3' के रिलीज होने की तैयारी हो रही है। इसमें 'ब्लैक पैंथर' का किरदार डेविड जॉनसन निभाएंगे। डेविड जॉनसन 15 दिसंबर 2028 को रिलीज होने वाली 'ब्लैक पैंथर 3' में टीचाला के बेटे का किरदार निभाएंगे। यह फिल्म जॉनसन के किरदार, प्रिंस टी'चाला 2 की कहानी दिखाएगी। डेविड जॉनसन 'ब्लैक पैंथरः वाकांडा फॉरएवर' में एक बच्चे के तौर पर नजर आए थे। डायरेक्टर रयान कूगलर तीसरी फिल्म के लिए वापसी करेंगे।

दीपिका से छूटी फिल्म अब कैट की झोली में!

नई दिल्ली। संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' प्रभास की मचअवेटेड फिल्मों में से एक है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर इस फिल्म को सबसे ज्यादा सुर्खियां तब मिलीं जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म से किनारा किया। अब एक बार फिल्म ये फिल्म चर्चा में है और वजह है नई एक्ट्रेस का नाम। दावा किया जा रहा है कि कैटरीना कैफ इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इसे लेकर अभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री के एक सोर्स ने कैटरीना की काम पर वापसी की अफवाहों को 'पूरी तरह से गलत और गुमराह करने वाला' बताया है। सोर्स ने बताया, "फ्यूचर में कैट के एक्टिंग प्लान के बारे में किए जा रहे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। यह रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलों और गलत जानकारी पर आधारित है जिसकी कोई कनफर्मेशन नहीं है।

यामी कहानी-3 में आएंगी नजर...

मुंबई। यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का ऐलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी। सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

टीवी मसाला

वो शख्स, जो जाते-जाते रामानंद की रामायण को बना गया अमर

नई दिल्ली। रवींद्र जैन वो सितारा थे, जिन्होंने खुद दृष्टिहीन होते हुए रामानंद सागर की 'रामायण' में अपने सुरीले संगीत से रंग भर दिए थे। ये रंग ऐसे भरे कि जब भी 'रामायण' की बात होती है, तो उनके कलाकारों के साथ ही उसकी चौपाइयां और गीत याद आ जाते हैं, जिन्हें रवींद्र जैन ने अपनी प्यारी आवाज और संगीत से सजाया था। रवींद्र जैन जन्म से ही दृष्टिहीन थे। उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता था, पर भगवान ने उन्हें सुरीली आवाज और संगीत के अमर वरदान से नवाजा था। उनके गले में मां सरस्वती विराजत करती थीं। उन्हें 'सरस्वती पुत्र' कहा जाता था। उसी वरदान से उन्होंने रामानंद सागर को 'रामायण'के रूप में ऐसा तोहफा दे दिया, जो दुनियाभर में हमेशा के लिए अमर हो गया। 28 फरवरी 1944 को पैदा हुए रवींद्र जैन के पिता संस्कृत पंडित थे, पर बचपन में ही उन्होंने बेटे के हुनर को भांप लिया था। फिर क्या था, उन्होंने बेटे रवींद्र को जी.एल जैन, जनार्दन शर्मा और नाथू राम जैसे संगीतकारों के पास संगीत सीखने भेज दिया। रवींद्र जैन ने संगीत के लिए ही अपनी आंखों को इलाज तक नहीं कराया था। वह बचपन से ही दृष्टिहीन थे। आंखों का इलाज हो सकता था, पर रवींद्र का कहना था कि अगर उनकी आंखों की रोशनी लौट आई, तो वह न तो संगीत पर ध्यान दे पाएंगे और ना ही पहले जैसा संगीत बना पाएंगे। इसलिए उन्होंने आजीवन दृष्टिहीन होना ही चुना। रवींद्र जैन का 9 अक्टूबर 2015 को 71 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे और मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती थे। परिवार में पत्नी दिव्या जैन और बेटा आयुष्मान ही रह गए।

हर्षद हुए लॉक अप 2 से बाहर

नई दिल्ली। 'लॉक अप 2' में ड्रामा जारी है क्योंकि अब हर्षद चोपड़ा को रियलिटी शो से बाहर कर दिया गया है। उनके बाहर होने से कई दर्शक हैरान हैं, जिन्हें उम्मीद थी कि वह गेम में और आगे तक जाएंगे। जेल के अंदर हर्षद एक शांत और संयमित कंटेस्टेंट के तौर पर दिखे। हालांकि उनकी कुछ बहसें और इमोशनल पल भी रहे, लेकिन ज़्यादातर समय वह गेम में अपने में ही रहे। लेकिन, बढ़ते कॉम्पिटिशन और मजबूत कंटेस्टेंट्स के बीच उन्हें काफी सपोर्ट नहीं मिल पाया और उन्हें शो छोड़ना पड़ा। उनके बाहर होने के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स जोरदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई दर्शकों ने कहा कि उन्हें उनके इतनी जल्दी बाहर होने से झटका लगा है और वे निराश हैं। कुछ फैन्स ने इसे अनुचित भी बताया और कहा कि वह गेम में और समय के हकदार थे, जबकि दूसरों का कहना है कि यह शो के अनप्रेडिक्टेबल नेचर का ही हिस्सा है।

पेरिस तक गई, ताकि जमाने से आगे रह सकूं : हेलेन

नई दिल्ली। अदाकारा और मशहूर डांसर हेलेन के नाम पर दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में फिल्म देखने टूट पड़ती थी। एक दौर था जब हेलन का सिर्फ नाम ही काफी थी। उन्होंने बॉलीवुड के कुछ सबसे यादगार डांस परफॉर्मेंस दी हैं। हेलेन ने हाल ही में इसे लेकर दिलचस्प खुलासा किया कि गानों को करने में वे खुद किस तरह एफर्ट्स डालती थीं। यह उनके डांस के अलावा फैशन से भी जुड़े थे।

चीजें खोजने विदेशों की यात्राएं कीं

हेलेन ने 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के एक एपिसोड में बताया कि उन्होंने खुद कई ऐसी एक्सेसरीज चुनीं, जो उनके ग्लैमरस कैबरे डांस की पहचान बन गईं। हेलेन ने कहा कि वे हमेशा चाहती थीं कि उनके कॉस्ट्यूम अनोखे लगें। सिर्फ स्थानीय स्तर पर मिलने वाली एक्सेसरीज पर निर्भर रहने के बजाय, उन्होंने ऐसी चीजें खोजने के लिए विदेश की यात्रा कीं, जो उनके परफॉर्मेंस को एक अलग विजुअल पहचान दे सकें।

बहुत जल्दी डांस सीख लेती थीं

शो के जज जावेद जाफरी ने बॉलीवुड फैशन और डांस पर हेलेन के असर को याद किया और उन्हें ट्रिब्यूट दिया। उन्होंने कहा कि उनके बोल्ड कॉस्ट्यूम, शानदार परफॉर्मेंस और स्क्रीन पर उनके कॉन्फिडेंस भरे अंदाज ने हिंदी फिल्मों में ग्लैमर को पेश करने का तरीका बदल दिया। उनके मुताबिक, उन्होंने नए ट्रेंड सेट किए और साथ ही कई पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित भी किया। करिश्मा कपूर ने भी अपनी मां से जुड़ी एक याद शेयर की। उन्होंने कहा, 'मेरी मां मुझे बताती थीं कि जब भी हेलेन जी सेट पर आती थीं, तो सब लोग सम्मान के साथ शांत हो जाते थे। ठीक वैसे ही जैसे शम्मी कपूर के आने पर होता था'। करिश्मा कपूर ने यह भी बताया कि हेलेन रिहर्सल के दौरान बहुत तेजी से कोरियोग्राफी सीख लेती थीं, जिसके लिए उनके प्रोफेशनलिज्म और हुनर की तारीफ की जाती थी।

अपने लुक की हर चीज पर खुद ध्यान देती थीं

अपने डांस नंबर्स की तैयारी को याद करते हुए हेलेन ने बताया कि वे अपने लुक की हर छोटी-बड़ी चीज पर खुद ध्यान देती थीं। उन्होंने खुद ऐसी एक्सेसरीज और फैशन की चीजें चुनीं, जो उस समय भारत में आम नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'मैं लंदन गई और वहां से नीले, भूरे और हरे रंग के लेंस और खास आईलैश (पलकें) लेकर आई। मेरे हेडगियर (बालों की एक्सेसरजी) मेरे हेयरड्रेसर ने बनाए थे। मैं अपनी कॉस्ट्यूम के लिए असली पंख लेने पेरिस भी गई थी। मेरी ज्वेलरी, बड़े गॉगल्स और एक्सेसरीज, ये सब मैंने इसलिए, चुना ताकि मैं जमाने से आगे रह सकूं'।

शूटिंग के लिए पति-बेटी संग लौटीं भारत

मुंबई। मच अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' से प्रियंका चोपड़ा 8 साल के गैप के बाद इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग के लिए वह पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ भारत आई हैं। उन्हें हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। फ़िल्म का ज़्यादातर हिस्सा शूट हो चुका है, बस कुछ छोटे-छोटे आपस में जुड़े सीन बाकी हैं। एएस राजामौली ने बताया था कि टीम को उम्मीद है कि इस साल सितंबर या अक्टूबर तक फ़िल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी. वाराणसी को 7 अप्रैल, 2027 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। वायरल तस्वीरों और वीडियो में निक जोनास और प्रियंका चोपड़ा को साथ चलते हुए देखा जा सकता है। प्रियंका को ऑफ-शोल्डर टॉप वाले डार्क ब्राउन को-ऑर्ड सेट में देखा जा सकता है। उन्होंने एयरपोर्ट लुक को बेज रंग की कैप, काले धूप के चश्मे और ब्राउन रंग के फ्लैट्स के साथ कंप्लीट किया है। वहीं, निक जोनास ने एयरपोर्ट लुक के लिए कंफर्टेबल ऑल-ब्लैक आउटफिट चुना. वह काली शर्ट के साथ मैचिंग ट्राउजर पहने दिखाई दिए. उन्होंने सफेद-काले स्नीकर्स और टिंटेड धूप के चश्मे के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया।

शिव भक्ति से जुड़ा था गीत, स्टूडियो में डायरेक्टर की थी नो-एंट्री

पहले ठुकराया, फिर गुस्से में लता ने गाया था ये कालजयी गाना

नई दिल्ली। लता मंगेशकर स्वर कोकिला कही जाती हैं। उन्होंने सिनेमा को हजारों कल्ट क्लासिक गानों से नवाजा है, दशकों तक चाहने वालों को दीवाना बनाया है। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर लता मंगेशकर को कास्ट करने के लिए लाइन में लगे रहते थे। लता मंगेशकर भी गायिकी के लिए समर्पित थीं। उन्होंने बेझिझक गाने गाए और नाम कमाया। मगर शायद ही आपको पता है कि उन्होंने अपना एक कल्ट गाना गाने से इनकार कर दिया था। 48 साल पहले उन्होंने शिव भक्ति से जुड़ा गीत गाना था, लेकिन उन्होंने पहले इनकार कर दिया था।

सुपरहिट गाने की कहानी

यह गीत है राज कपूर की फिल्म सत्यम शिवम सुंदरम का टाइटल ट्रैक । जीनत अमान पर फिल्माया गया ये गीत लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में अमर कर दिया। करीब पांच दशक के बाद भी यह गाना लोगों की जुबान पर रहता है। इस गाने को गवाने लिए राज कपूर को लता मंगेशकर को मनाना पड़ा था। वह उनसे इतना खफा हो गई थीं कि उन्हें स्टूडियो में भी नहीं आने दिया था।

भाई के चक्कर में लता-राज के बीच अनबन

इस नाराजगी के पीछे की वजह राज कपूर पर लिखी किताब 'राज कपूरः द वन एंड ओनली शोमैन' में उनकी बेटी रितु नंदा ने बताई है। रितु नंदा ने किताब में बताया था कि राज कपूर ने सत्यम शिवम सुंदरम में म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर पहले लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर को लेने वाले थे। उन्होंने ही सिंगर से गुजारिश की थी कि वह हृदयनाथ को मनाएं।

राज कपूर से मांगी थी गानों की रॉयल्टी

लता ने राज कपूर के लिए कई गाने गाए थे, लेकिन कभी रॉयल्टी नहीं ली। मगर जब भाई को रिप्लेस किया गया तो उन्होंने राज कपूर से गाने की रॉयल्टी मांगना शुरू कर दिया। चीजें बढ़ती गईं और लता मानने को तैयार नहीं थी। फिर पंडित नरेंद्र शर्मा की एंट्री हुई जिन्हें लता अपने पिता की तरह मानती थीं। उनका मानना था कि 'सत्यम शिवम सुंदरम' के गानों के साथ कोई और सिंगर न्याय नहीं कर सकता, इसलिए उन्होंने लता को इन गानों के लिए अपनी आवाज देने के लिए मनाया।

गाना गाने से किया था इंकार

राज कपूर के कहने पर हृदयनाथ राजी हो गए। मगर जब लता मंगेशकर काम से यूएस गईं और वापस आईं तो पता चला कि राज कपूर ने हृदयनाथ को हटाकर लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल को फिल्म में शामिल कर लिया है। इस बात से लता बहुत नाराज हुईं। उनसे बिना पूछे या बताए राज कपूर ने यह फैसला लिया था। गुस्से में सिंगर ने उनका गाना गाने से ही इंकार कर दिया था।

दो शर्तों पर गाया था लता ने हिट गाना

आखिरकार पंडित नरेंद्र शर्मा के कहने पर लता मंगेशकर ने गाने के लिए हामी भरी लेकिन शर्तें भी रखीं। उनकी शर्त थी कि वह स्टूडियो में किसी से भी बात नहीं करेंगी। साथ ही लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल से यह भी कह दिया था कि उनके रिकॉर्डिंग सेशन के दौरान वे राज कपूर को स्टूडियो में न आने दें। लता ने गाना गाया और बिना किसी से बात किए चली गईं। फिर दोनों के बीच रॉयल्टी को लेकर बहस भी हुई। मगर बाद में राज कपूर ने उन्हें मना लिया था।

प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की जीत बताया

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च सत्याग्रह की जगह विजय मार्च

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और युवाओं की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की हठधर्मिता, अहंकार और तानाशाही रवैये का अंत आखिरकार शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसान आंदोलन के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार को अपनी हठधर्मिता के आगे झुकना पड़ा था, उसी प्रकार आज देश के युवाओं के आक्रोश और लोकतांत्रिक संघर्ष के आगे भाजपा का अहंकार टूट गया है। यह छात्रों के संघर्ष, जनदबाव और लोकतंत्र की जीत है। उधर कांग्रेस द्वारा निकाला जाने वाला कैंडल मार्च सत्याग्रह बाद में विजय मार्च में बदल गया। यह मार्च व्यापमं चौराहे से प्रारंभ हुआ और बोर्ड आफिस चौराहा स्थित स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर समापन हो गया। इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने हिस्सा लिया।

यह छात्रों के संघर्ष और लोकतंत्र की जीत: पटवारी

कांग्रेस का विजय मार्च।

विजय मार्च में यह शामिल

विजय मार्च में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री ओमकार मरकाम, विधायक आरिफ मसूद, मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रदेश कांग्रेस महासचिव संजीव सक्सेना, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव अभिषेक शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव योगेंद्र सिंह चौहान, राजकुमार सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रोशनी यादव, जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण, कांग्रेस कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-युवा साथी उपस्थित रहे।

छात्र-युवा शक्ति आंदोलनः देर आए, दुरुस्त आए

सरकार को काफी पहले वो कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं

रेल दुर्घटना के लिए जब तब के रेलमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने इस्तीफा दिया था, तब वे ट्रेन की ड्राइवर सीट पर नहीं थे। यह नैतिक आधार का सबब था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी यही माना जाता। परंतु विलंब ने इस आधार में पलीता लगा दिया। यह दबाव में लिया-दिया गया त्यागपत्र है, जिसने नीट घोटालों से नाराज छात्र-युवा शक्ति का आंदोलन तो समाप्त करा दिया, परंतु इसका लाभ अपेक्षा के अनुसार शायद ही मिले। खैर, देर आए, दुरुस्त आए। आंदोलनकारियों की मांगें स्वीकार कर ली गईं। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई कड़े कदम उठाकर आश्वासन दिया है कि परीक्षाओं की पवित्रता सुनिश्चित की जाएगी। गड़बड़ी करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। फास्ट ट्रैक कोर्ट से अपराधियों को जल्द सजा और पीड़ितों को जल्दी न्याय मिल सकेगा। अब ठंडे दिमाग से विचार का भी समय है कि हिंसा किसी भी पक्ष की हो, स्वीकार नहीं की जा सकती। छात्र-युवा आंदोलन में राजनीति की घुसपैठ की कोशिशें भी उचित नहीं मानी जा सकतीं। सरकार को भी मामले की गंभीरता समझते हुए बहुत पहले वे सारे कदम उठा लेने थे, जो अब उठाए हैं। बहरहाल, अंत भला सो सब भला।

विजयदत्त श्रीधर
वरिष्ठ पत्रकार

सत्य और संघर्ष की हुई विजयः अरुण यादव

देश भर में चर्चा का विषय बने नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में लंबे समय तक चले छात्र आंदोलन और न्याय की मांग के बाद आए घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने इसे देश के करोड़ों युवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों तथा उनके परिवारों के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि देशभर के नीट अभ्यर्थियों, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी विद्यार्थियों तथा युवा साथियों को इस संघर्ष में मिली सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सत्य, न्याय और जनशक्ति की जीत है। कांग्रेस हमेशा युवाओं, किसानों, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों तथा समाज के हर वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ सड़क से लेकर संसद तक उनकी आवाज़ बुलंद करती रहेगी।

किसी राजनीतिक दल की नहीं, छात्रों की जीत

पटवारी ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि न्याय की मांग कर रहे हर उस छात्र, अभिभावक और नागरिक की जीत है जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले दिन से ही छात्रों की आवाज़ को संसद से लेकर सड़क तक पूरी ताकत से उठाया। उन्होंने लगातार जवाबदेही तय करने की मांग की और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया। आज का घटनाक्रम उसी संघर्ष की जीत है। पटवारी ने कहा कि 21 मासूम बच्चों की मौत तथा उनके परिवारों का दर्द पूरे देश को आंदोलित कर रहा था। भाजपा शासनकाल में 152 से अधिक बार पेपर लीक हुआ। 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार इससे प्रभावित हुए हैं और 50 से अधिक परीक्षाओं का निरस्त होना यह साबित करता है कि भाजपा युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ करती रही है।

रिटायर्ड अधिकारी कर्मचारियों को मिले काल्पनिक पदोन्नति

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आदेश का अनुसरण करते हुए समस्त विभागों अर्द्धशासकीय विभागों के अधिकारी कर्मचारियों एवं सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को 2016 से काल्पनिक पदोन्नति दी जाए तथा उनको पेंशन में पुनरक्षित वेतन निर्धारण कर लाभ देन की मांग की है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय ने आदेश जारी करके विभाग के सहायक संचालक केएस पेड़ो को सेवानिवृत्ति के बाद उप संचालक के पद पर काल्पनिक पदोन्नति देकर पुनरीक्षित वेतन निर्धारण में लाभ देकर पेंशन में आर्थिक लाभ दिया है। उसी का अनुसरण करते हुए प्रदेश में पदोन्नति से वंचित सेवानिवृत हुए लाखों कर्मचारियों अधिकारियों एवं कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों को मध्य प्रदेश सरकार काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दे जिससे सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों को पेंशन में आर्थिक लाभ हो सके एवं कार्य कर्मचारियों को पद एवं वेतनमान का लाभ हो सके।

प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को एक साल में मिलेंगे 10 अवकाश

भोपाल। मप्र सरकार ने प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को अवकाश को लेकर बड़ी राहत दी है। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को अब स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत 90 हजार अतिथि शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। यानि अब हर अतिथि शिक्षक को अब साल भर में दस सीएल यानी आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा है कि विभाग जल्दी ही इसके आदेश जारी करेगा।

यमुनानगर से नशे के खिलाफ हुंकार मुख्यमंत्री के साथ दौड़े 70 हजार लोग

सीएम ने नशामुक्ति दौड़ को दिखाई हरी झंडी, 10 किमी. रेस में पुरुष वर्ग में मोहित व महिलाओं में भारती प्रथम

मातृशक्ति भी नहीं रही पीछे, हजारों महिलाओं ने दर्ज कराई दमदार उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। यदि युवा स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त होंगे तो विकसित भारत का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री रविवार को यमुनानगर में 'नशे से जंग, यमुनानगर के संग' अभियान के तहत आयोजित मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। दौड़ में महिलाओं, बुजुर्गों सहित 70 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जनजागरण का अभियान है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के सामने दो रास्ते हैं- एक विकास, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाता है, जबकि दूसरा नशे और बर्बादी की ओर। उन्हें विश्वास है कि हरियाणा का युवा सही रास्ता चुनेगा और समाज को नशामुक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान और योग को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों ने स्वस्थ जीवनशैली को नई दिशा दी है। आज की यह दौड़ उसी संकल्प को आगे बढ़ाने का माध्यम है। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हौसला जवान : 73 साल की उम्र में त्रिलोकी नाथ ने पूरी की 10 किमी दौड़, मिला विशेष सम्मान

10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में महेंद्रगढ़ के मोहित ने पहला स्थान हासिल कर एक लाख रुपये का पुरस्कार जीता। सत्यम दूसरे स्थान पर रहे और उन्हें 75 हजार रुपये, जबकि उत्तर प्रदेश के सचिन यादव तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 51 हजार रुपये प्रदान किए गए। महिला वर्ग में सोनीपत की भारती ने पहला स्थान हासिल कर एक लाख रुपये, भिवानी की सोनिका ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 75 हजार रुपये तथा उत्तर प्रदेश के लखनऊ की शशिलता ने तीसरा स्थान प्राप्त कर 51 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। पानीपत के 73 वर्षीय त्रिलोकी नाथ ने भी 10 किलोमीटर दौड़ पूरी कर विशेष सम्मान प्राप्त किया। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि मैराथन में करीब 70 हजार लोगों ने भाग लिया, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

पंजाब सरकार युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़ : नायब

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के परिणाम में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। चयनित अभ्यर्थियों की सूची को लेकर कई सवाल उठे हैं। इसके अलावा कुछ दिन पहले आयोजित फार्मेसी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। मुख्यमंत्री रविवार को पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर ए वं एम्बुलेंस लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला, राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल, संत गुरचरण सिंह पांडवा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सांपला फाउंडेशन और नव्या हेल्पिंग हैंड्स की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने दिवंगत नव्या की स्मृति में परिवार द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को प्रेरणादायी

- फगवाड़ा में एक्साइज इंस्पेक्टर परीक्षा परिणाम और फार्मेसी पेपर लीक का मुद्दा उठाया

'मन की बात' में वीर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

पीएम ने की कोरबा में जल संरक्षण को लेकर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण को विकसित भारत की मजबूत नींव बताया।

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया और देशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। साथ ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं की नवाचार क्षमता और वैज्ञानिक सोच को देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश केवल प्रेरणादायी नहीं, बल्कि जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

दिल्ली सरकार से निराश ई-रिक्शा चालक आंदोलन की राह पर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की वादाखिलाफी और अनदेखी ने दिल्ली के ई-रिक्शा चालक और ईवी इंडस्ट्री से जुड़े छोटे व्यापारी बेहद दुखी और नाराज हैं। दिल्ली सरकार ने ई-रिक्शा चालकों के लिए 15 मई से रजिस्ट्रेशन और उसके बाद ट्रेनिंग स्कूल शुरू करने की घोषणा की थी। लेकिन जुलाई खत्म होने को है और अभी तक कोई पॉलिसी की घोषणा नहीं की गई है। ईवी मैन्युफेक्चरिंग सोसायटी ईवीएमएस के महासचिव राजीव तुली ने आरोप लगाया कि सरकार दिल्ली की सड़कों पर चलने वाले लाखों ई-रिक्शा चालकों को बेरोजगार करने की तैयारी हो रही है। राजीव तुली ने बताया कि दिल्ली सरकार ने हाल ही में जो ईवी पॉलिसी घोषित की है, उसमें ई-रिक्शा, ई-कार्ट का जिक्र ही नहीं है, जिसे लेकर ई-रिक्शा चालकों, निर्माताओं और डीलरों के संगठन ईवीएमएस में गहरी नाराजगी है। संगठन के सदस्यों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा की दिल्ली सरकार की वायदा खिलाफी से लोगों में रोष है। ईवीएमएस के महासचिव राजीव तुली ने एसोसिएशन के सदस्यों के साथ मीटिंग के दौरान अपनी बातें रखी, उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से ई-रिक्शा चालकों के लिए रजिस्ट्रेशन और ट्रेनिंग व्यवस्था लागू करने में हो रही देरी से चालकों और ईवी उद्योग में असंतोष बढ़ गया है। ईवीएमएस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नीति स्पष्ट नहीं की गई तो संगठन आंदोलन तेज करेगा। उनका कहना है कि इससे लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

सावन माह में भोमरदेव, डोंगरिया और बूढ़ा महादेव पहुंचेंगे श्रद्धालु

कांवड़ियों और पदयात्रियों की सुरक्षा को लेकर कबीरधाम पुलिस के कड़े इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

सावन माह में छत्तीसगढ़ के भोरमदेव, डोंगरिया और बुढ़ा महादेव धाम पहुंचने वाले हजारों कांवड़ियों और पदयात्रियों की सुरक्षा को लेकर कबीरधाम पुलिस ने इस बार व्यापक सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्रबंधन योजना तैयार की है।

पूरे यात्रा मार्ग पर 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, होमगार्ड जवान और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। वहीं, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। पुलिस के अनुसार, यात्रा मार्ग को आठ सेक्टरों में विभाजित कर पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। इसके लिए आठ सेक्टर पेट्रोलिंग वाहन लगातार गश्त करेंगे। साथ ही, प्रमुख मार्गों और प्रवेश बिंदुओं पर आठ चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां सुरक्षा जांच और निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम तत्काल कार्रवाई करेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान भी लागू किया है। श्रावण माह के प्रत्येक रविवार और सोमवार को भोरमदेव रोड पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान सभी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा, ताकि कांवड़ यात्रियों और पदयात्रियों को निर्बाध एवं सुरक्षित मार्ग मिल सके।

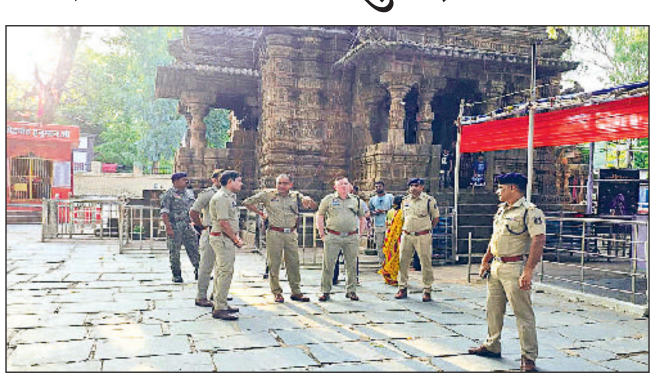

यातायात नियमों का पालन करने की अपील

यात्रा मार्ग के अंधे मोड़ों, ढलान, चढ़ाई वाले हिस्सों तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष ट्रैफिक पिकेट लगाए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों की आवाजाही भी अस्थायी रूप से रोकी जाएगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं से सड़क के किनारे चलने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। पुलिस का अनुमान है कि श्रावण मास के पहले सोमवार 3 अगस्त, को श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ उमड़ेगी। इसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। सुबह से ही पुलिस अधिकारी और जवान ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, मार्गदर्शन तथा आपातकालीन सहायता के लिए यात्रा मार्ग पर सक्रिय रहेंगे।

संदिग्ध गतिविधियों की पुलिस को दें सूचना

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और अमित पटेल ने श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यात्रा के दौरान प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी दुर्घटना, आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112 या निकटतम पुलिस थाने को दें। कबीरधाम पुलिस ने कहा है कि पूरे सावन माह के दौरान सेवा, सुरक्षा और समर्पण की भावना के साथ प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी।

कृतज्ञः अनवाया किन केयर ने भारत के वीरों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। दस वर्ष पहले, जब भारत का अधिकांश स्टार्टअप इकोसिस्टम फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा था, तब प्रशांत रेड्डी ने एक अलग राह चुनी। उन्होंने भारत के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल को अपना उद्देश्य बनाया। आज वही पहल अनवाया किन केयर के रूप में विकसित हो चुकी है, जो देश के 38 शहरों में 1.5 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को सेवाएं प्रदान कर रही है। अब तक यह 80 लाख से अधिक घंटे की होम केयर सेवाएं दे चुकी है और 5,000 से अधिक मेडिकल इमरजेंसी का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए 97 प्रतिशत जीवन-रक्षा का रिकॉर्ड हासिल कर चुकी है। 24 जुलाई को अनवाया ने अपनी 10वीं वर्षगांठ केवल बीते सफर को याद करते हुए नहीं, बल्कि भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए मनाई। इस शाम में मुख्य अतिथि के तौर मशहूर कॉमेडी एक्टर, पद्मश्री और गिनीज़ बुक रिकॉर्ड होल्डर ब्रह्मानंदम शामिल हुए। उनके साथ तेलंगाना सरकार के स्पेशल चीफ सेक्रेटरी जयेश रंजन, तेलंगाना सरकार के पूर्व चीफ सेक्रेटरी एस.के. जोशी, तेलंगाना के पूर्व डीजीपी महेंद्र रेड्डी और सीनियर-केयर इकोसिस्टम से जुड़े अन्य खास मेहमान भी मौजूद थे। इस शाम का सबसे भावुक और प्रभावशाली क्षण किसी उत्पाद लॉन्च से जुड़ा नहीं था। अनवाया ने चुनिंदा वीरता पुरस्कार एवं पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं के लिए आजीवन निःशुल्क इमरजेंसी रिस्पॉन्स सहायता सेवा की घोषणा की। इस अवसर पर कंपनी ने तीन नई सेवाओं की शुरुआत की, जिनका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के जीवन के हर महत्वपूर्ण पहलू उनके स्वास्थ्य, समग्र कल्याण और आध्यात्मिक आस्था की आवश्यकताओं को पूरा करना है। इस समारोह में वरिष्ठ नागरिक, उनके परिवार, अनवाया के केयर मैनेजर्स, कर्मचारी, साझेदार और विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में देश के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए वीरता पुरस्कार एवं पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही अनवाया कृतज्ञ शोकेस का आयोजन हुआ, जिसमें अनवाया के वरिष्ठ सदस्यों ने आत्मविश्वास और आत्मसम्मान से भरी प्रस्तुति दी।

चिंतन

आंदोलन खत्म, अब सुधारों की बारी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। अब आंदोलन खत्म होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की बारी है, ताकि जवाबदेही तय हो सके और परीक्षाओं में पारदर्शिता आए। परीक्षा प्रणाली में ऐसे ठोस और संस्थागत सुधार किए जाएं, जो भविष्य में इस तरह के संकट की पुनरावृत्ति रोक सकें और करोड़ों विद्यार्थियों का भरोसा फिर से मजबूत करें। अब देश की निगाहें सरकार द्वारा प्रस्तावित परीक्षा सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर टिकी हैं। वहीं, केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में कड़े नकल विरोधी कानून से जुड़ा 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश करेगी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यदि संसद से पारित होकर ये प्रावधान प्रभावी ढंग से लागू होते हैं, तो परीक्षा माफिया के खिलाफ एक स्पष्ट और सख्त संदेश जाएगा। मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जांच को दो माह के भीतर पूरा करने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर सुनवाई समाप्त करने की समय-सीमा तय करना न्याय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास है। यदि यह व्यवस्था व्यवहार में भी उतनी ही प्रभावी साबित होती है, तो वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है और कानून का भय भी बढ़ेगा। दूसरी तरफ सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और संरचनात्मक बदलाव चाहती है। इस टास्क फोर्स से अपेक्षा है कि वह प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिम पहचान, परीक्षा संचालन, डेटा सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सुझाव देगी। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकती है। सरकार ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) के विस्तार, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार होती हैं। यदि उन्हें यह भरोसा नहीं रहेगा कि उनकी सफलता केवल उनकी मेहनत से तय होगी, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसलिए सुधारों का लक्ष्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश ही न्यूनतम रह जाए। आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन सुधारों की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। यदि सरकार घोषित कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों को ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से लागू करती है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य में विश्वास को भी नई मजबूती देगा। अब देश को इस्तीफों से आगे बढ़कर स्थायी सुधारों का परिणाम देखना है।

इस्तीफा

डॉ. घनश्याम बादल

सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास

सत्ता कभी यह स्वीकार नहीं करती कि वह दबाव में है। वह निर्णयों को दूरदर्शिता का नाम देती है, परिस्थितियों को सामान्य बताती है और विरोध को राजनीति कहकर खारिज करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि कभी-कभी सड़क संसद से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा भी उसी सत्य की पुनर्पुष्टि है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने की घटना नहीं है। यह उस बेचैनी का राजनीतिक स्वीकार है जो पिछले कुछ समय से देश के युवाओं के मन में उबल रही थी। प्रश्न केवल परीक्षा का नहीं था।

प्रश्न यह था कि क्या इस देश में मेहनत करने वाले छात्र का भविष्य सुरक्षित है? क्या उसकी सफलता उसकी योग्यता तय करेगी या व्यवस्था की लापरवाही? जब ये प्रश्न लाखों युवाओं के भीतर एक साथ उठते हैं, तब उनका उत्तर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों से देना पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उसी उत्तर का पहला वाक्य है, पूरी कहानी नहीं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने वह किया, जिसे वह लंबे समय तक करने से बचती रही। पहले सफ़ाइयां दी गईं। फिर जांच बैठी। फिर सुधारों का आश्वासन दिया गया। उसके बाद भी जब आक्रोश शांत नहीं हुआ तो अंततः राजनीतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना पड़ा। यह स्वीकारोक्ति जितनी आवश्यक थी, उतनी ही विलंबित भी। राजनीति में देर से लिया गया सही निर्णय भी कई बार अधूरा साबित होता है। यदि यही कदम तब उठाया जाता, जब युवाओं का विश्वास पहली बार डगमगाया था, तो शायद सड़कों पर उतरने की नौबत ही नहीं आती। सरकार ने अंततः घाव पर मरहम लगाया, लेकिन तब जबकि घाव नासूर बनने लगा था। भाजपा के लिए यह घटना एक गंभीर राजनीतिक संदेश है। पिछले एक दशक में पार्टी ने निर्णायक नेतृत्व और मज़बूत प्रशासन की छवि बनाई है। किंतु निर्णायक नेतृत्व का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं होता; समय पर सही निर्णय लेना भी होता है। यदि जनता यह मानने लगे कि सरकार केवल दबाव पड़ने पर ही प्रतिक्रिया देती है, तो उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी-विश्वसनीयता-धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। यहां विपक्ष भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है। किसी मंत्री का इस्तीफ़ा लोकतंत्र की अंतिम विजय नहीं होता। यदि विपक्ष इसे केवल राजनीतिक ट्रॉफी बनाकर रख देगा और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक सुधारों पर गंभीर विमर्श नहीं करेगा, तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगा। आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, व्यवस्था होनी चाहिए। अब सबसे बड़ा प्रश्न जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का है। क्या मंत्री के इस्तीफ़े के बाद धरना समाप्त हो जाएगा? यदि ऐसा होता है, तो यह मानना पड़ेगा कि आंदोलन का लक्ष्य व्यक्ति था, व्यवस्था नहीं। लेकिन यदि आंदोलन जारी रहता है और उसकी मांगें परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, संस्थागत सुधार, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तक विस्तृत होती हैं, तब यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अधिक परिपक्व संकेत होगा। आंदोलनों की सफलता किसी पदत्याग से नहीं, नीतिगत परिवर्तन से मापी जाती है। आगामी चुनावों पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा, पर उसकी तीव्रता सरकार के अगले कदम तय करेंगे। मतदाता भूल भी जाता है, पर युवा अपमान नहीं भूलता। यदि उसे लगे कि उसकी मेहनत का सम्मान लौटा है, तो राजनीतिक क्षति सीमित रह जाएगी। लेकिन यदि यह धारणा बनी कि केवल एक चेहरा बदला गया और व्यवस्था वैसी ही रही, तो यह असंतोष मतदान की चुप्पी में भी दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक शायद यही है कि भारत की नई राजनीति का केंद्र अब जाति और धर्म के साथ-साथ युवा आकांक्षाएं भी बन चुकी हैं। यह पीढ़ी भाषणों से अधिक अवसर चाहती है, नारों से अधिक निष्पक्षता और आश्वासनों से अधिक विश्वसनीय संस्थाएं। जो राजनीति इस बदलाव को नहीं समझेगी, वह धीरे-धीरे अपनी ज़मीन खोती जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं है। यह सत्ता के लिए चेतावनी है कि लोकतंत्र में जनता केवल सरकार नहीं चुनती, जवाबदेही भी तय करती है। जब करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर हो, तब सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास होती है। अब देश की निगाह नए शिक्षा मंत्री पर नहीं, नई शिक्षा व्यवस्था पर है। क्योंकि मंत्री बदलने से राजनीति बदल सकती है, लेकिन व्यवस्था तभी बदलती है, जब सत्ता यह स्वीकार करे कि जनता केवल शासन नहीं, न्याय भी चाहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अर्थव्यवस्था

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अमेरिका से बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है।

इन दिनों अमेरिका में एच-1बी वीजा रोक की तैयारी और भारत के लिए बढ़ते हुए टैरिफ से संबंधित तीन परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है।

यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का कुल निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा था। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी होने के कारण वस्त्र उद्योग, रत्न एवं आभूषण, वाहन कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों के लाभ मार्जिन पर सीधा प्रहार होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी चिंताजनक है कि 22 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ लागू करने की घोषणा की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे

को अपनाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा।

अब अमेरिकी टैरिफ की इस नई चुनौती से निपटने के लिए भारत को कई रणनीतिक बिंदुओं पर तुरंत ध्यान केंद्रित करना होगा। अगस्त 2026 से जुलाई 2028 तक मिलने वाली शून्य प्रतिशत शुल्क की अवधि का उपयोग भारतीय कंपनियों और सरकार को दीर्घकालिक रणनीति बनाने में करना चाहिए। बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को यह मूल्यांकन करना होगा कि क्या अमेरिका में स्थानीय संयंत्र स्थापित करना या वहां की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करना आर्थिक रूप से व्यावहारिक है। चूंकि अमेरिका में प्लांट लगाने और एफडीए मंजूरी में भारी निवेश लगता है, इसलिए यह देखना होगा कि टैरिफ लगने के बाद भी क्या भारतीय दवाएं अमेरिकी विकल्पों से सस्ती रह पाती हैं या नहीं। भारत को अपनी निर्भरता केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित न रखकर यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में अपना निर्यात तेजी से बढ़ाना चाहिए। पारंपरिक जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अब जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं के शोध व विकास पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत को अपनी लागत-कुशल उत्पादन रणनीति और दवाओं की विश्वस्तरीय गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना होगा। सरकार को फार्मा पार्कों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा और दवा उद्योग के साथ आईटी व डिजिटल विशेषज्ञता को एकीकृत करना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दवा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना होगा तथा वैश्विक नियामक प्राधिकरणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यद्यपि पिछले वर्ष ब्रांडेड दवाओं पर लगाया गया टैरिफ भारत के लिए बेअसर साबित हुआ था, लेकिन अब जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की यह नई चुनौती अधिक गंभीर है।

भारत को अपनी फार्मा रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा। निश्चित रूप से टैरिफ की चुनौतियों के मद्देनजर अमेरिका व भारत के बीच अंतिम आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की अहमियत बढ़ गई है। ऐसा एक औपचारिक और संतुलित व्यापार समझौता भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे दवाई, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, मसाले और हस्तशिल्प पर अमेरिकी शुल्क दरों को काफी कम या शून्य दर पर ला सकता है। इससे धारा 301 के तहत लगे 10 प्रतिशत टैरिफ और भविष्य में जेनेरिक दवाओं पर लगने वाले भारी टैरिफ का असर स्वतः समाप्त या सीमित हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाज़ार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकेंगे। द्विपक्षीय व्यापार समझौते का दूसरा सबसे बड़ा लाभ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की केंद्रीय भूमिका के रूप में सामने आएगा। दुनिया के प्रमुख देश अब किसी एक बाज़ार पर अति-निर्भरता समाप्त कर सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस समझौते के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन कलपुर्जे, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्रों में भारत को एक विश्वसनीय और पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में चुनेंगी। इससे न केवल देश में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमता का भी अभूतपूर्व विस्तार होगा। लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अपनाकर भारतीय उत्पादों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना आवश्यक है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

योग के सभी सूत्र जीवन की आधारशिला

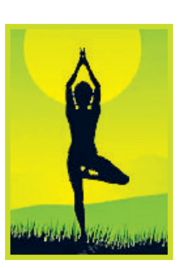

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणोता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

अहंकार ही व्यक्ति के समस्याओं का कारण

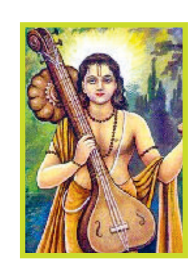

संकलित

प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

आयकर के प्रति गंभीरता जरूरी

24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया गया। वर्ष 1860 को सर जेम्स विल्सन ने कर व्यवस्था को शुरू किया था। आयकर दिवस मनाने का मुख्य कारण करदाताओं का देश के विकास में जो महत्वपूर्ण योगदान है, उसके लिए इन्हें सम्मान देना और लोगों को आयकर के प्रति जागरूक करना भी है। जितने भी करदाता हैं, चाहे वो बिजनेसमैन हों, छोटे-बड़े उद्योगपति हों, दुकानदार या अन्य कोई भी, इन सभी का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। सरकारें आमजन को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं देती हैं वो भी इन्हीं करदाताओं की बदौलत हैं। देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने में टैक्स प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। कर देने वालों का सम्मान जरूरी है, ताकि देश में विकास कार्य न रुकें।

- मनोज वाजपेयी, दुर्ग

ट्रेंड

अनाहत सिंह पर गर्व

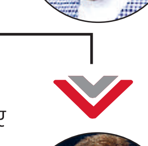

2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। गोल्ड मेडल जीतने और वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनने पर अनाहत सिंह पर गर्व है।

- **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

निष्पक्षता की मांग

दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे छात्रों पर पैलेट गन, लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। मैं 19 साल के साहिल लोचब से मिला। पैलेट लगने से उनकी एक आंख जा सकती है। उनका "गुनाह" क्या था? पेपर लीक को खत्म करने और भविष्य के लिए निष्पक्षता की मांग करना।

- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

राष्ट्र हित सर्वोपरि

भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र को सदा गौरवान्वित करता रहेगा। हमारे नायकों का साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखने के लिए सदा प्रेरित करता रहेगा।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

सीआईडी की विश्वसनीयता

शराब घोटाले, जेएसएससी और ट्रेजरी घोटाले की जांच में सीआईडी के कामकाज को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। अब जेपीएससी मामले में भी वैसी ही आशंकाएं सामने आ रही हैं। जनता के बीच सीआईडी की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो चुकी है।

- **बाबूलाल मरांडी**, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

भारत एनआईडी को वैध यात्रा दस्तावेज की मान्यता दे

नेपाल ने भारत की यात्रा पर आने वाले नेपाली नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस कदम के लागू होने पर नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान पत्र का भी यात्रा दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल ने बताया कि विभाग ने राजनयिक माध्यमों से यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा है और भारत की यात्रा के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को मान्यता देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'हमने गृह मंत्रालय के माध्यम से यह प्रस्ताव पहले ही विदेश मंत्रालय को भेज दिया था और विदेश मंत्रालय ने इसे भारत के संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित कर दिया है।' ढकाल ने कहा, ''हम इस मामले में काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और भारत की ओर से औपचारिक जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो राष्ट्रीय पहचान पत्र हवाई और सड़क, दोनों मार्गों से भारत की यात्रा करने वाले नेपाली नागरिकों के लिए नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ तीसरा वैध पहचान दस्तावेज बन जाएगा।

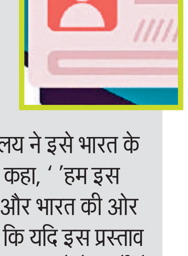

ऑफ बीट

रेन कोट की पानी से बचाव की क्षमता घटने के कारण

तेज बारिश में बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद यदि रेन कोट के अंदर कपड़े भीगने लगें, तो अक्सर लगता है कि 'वाटरप्रूफ' कोट ने काम करना बंद कर दिया। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर रेन कोट अचानक खराब नहीं होता, बल्कि उसकी बाहरी परत, गंदगी और लंबे उपयोग का असर धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम करता है। अधिकतर गुणवत्तापूर्ण रेन कोट के भीतर एक विशेष वाटरप्रूफ मेम्ब्रेन लगी होती है। गोर-टेक्स जैसी तकनीक में पीटीएफई या ईपीटीएफई की अत्यंत पतली परत होती है, जिसमें सूक्ष्म छिद्र बने होते हैं। ये छिद्र पानी की बूंदों को भीतर आने से रोकते हैं, लेकिन शरीर से निकलने वाली जलवाष्प को बाहर जाने देते हैं। कुछ अन्य कोट ठोस, गैर-छिद्रयुक्त मेम्ब्रेन का उपयोग करते हैं, जो नमी को अवशोषित कर अणु-दर-अणु बाहर निकालती हैं। रेन कोट के बाहरी कपड़े पर 'ड्यूरेबल वाटर रिपेलेंट' (डीडब्ल्यूआर) नामक रासायनिक परत लगाई जाती है, जिससे पानी बूंदों के रूप में फिसल जाता है। पहले इन परतों में पीएफएएस जैसे 'फॉरएवर केमिकल्स' का इस्तेमाल होता था, लेकिन पर्यावरणीय चिंताओं के कारण अब सिलिकॉन या हाइड्रोकार्बन आधारित विकल्प अपनाए जा रहे हैं।

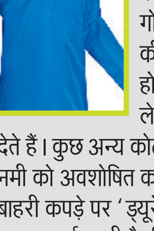

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया

असम के मंत्री की बेटी भी प्रदर्शन में उतरी, सरकार के खिलाफ नारे लगाए

पुलिस और पत्रकारों पर हिंसा में शामिल टीएमसी के 14 कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के गुवाहाटी में नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। इस प्रदर्शन में असम सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और असम गण परिषद (एजीपी) नेता केशब महंता की बेटी दिबिसा भी शामिल हुईं।

उनके प्रदर्शन में शामिल होने और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाने के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिबिसा को प्रदर्शनकारियों के साथ नारे लगाते हुए और प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिखाया गया है। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच चर्चा शुरू हो गई। इसी बीच सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने मंत्री केशब महंता का बचाव करते हुए कहा कि किसी पिता को उसकी वयस्क बेटी के राजनीतिक फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

दिबिसा के वीडियो की पुष्टि नहीं हुई

प्रदर्शन में हिंसा पर पुलिस का बड़ा एक्शन

तोड़फोड़ में शामिल टीएमसी की 'माफिया टीम' के आरोपी धराए

कोलकाता। नीट पेपर लीक के मामले में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में अब पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें टीएमसी का एक कार्यकर्ता भी है।विरोध प्रदर्शन में हिंसा करने के मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को लेकर पुलिस ने कहा, इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़फोड़ में शामिल थे।पुलिस ने ये भी है किसीजेपीने ईमेल के माध्यम से ये भी बताया है कि ये आंदोलन से नहीं जुड़े थे।

वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा

नतीजों के बाद इस्तीफा देकर प्रधान ने सही फैसला लिया, प्रदर्शन को नहीं रोका गया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने कभी भी छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने ये भी कहा कि प्रधान ने दोबारा परीक्षा के नतीजों के बाद इस्तीफे की पेशकश करके समझदारी भरा फैसला लिया। एक कार्यक्रम में सीतारमण ने ये बातें कहीं। सीतारमण ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके का बचाव किया और कहा कि हमने किसी भी समय विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी युवावस्था में विरोध-प्रदर्शन करती है।

शिक्षामंत्री का चार्ज लेते ही एक्शन

रविवार को भी बुलाई अधिकारियों की बैठक, कामों की समीक्षा की

देशभर में 26 दिनों तक चले छात्र आंदोलन, संसद में लगातार हंगामे और आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे के बाद अब शिक्षा मंत्रालय की कमान प्रह्लाद जोशी के हाथों में आ गई है। जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की कि मंत्रालय अब इंतजार के मूड में नहीं है। रविवार जैसे अवकाश वाले दिन भी उन्होंने मंत्रालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

रविशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस

राहुल का बिना अनुमति धरना निंदनीय-शर्मनाक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक के राजनीतिकरण पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने राहुल पर हमला बोला। प्रधानमंत्री आवास के सामने बिना अनुमति के धरना देने और गरिमा का उल्लंघन करने को शर्मनाक बताया।

तहसीन ने किया ऐलान

अब सड़क पर ई20 के खिलाफ होगा आंदोलन

नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए आंदोलन के बाद अब टीम भारत के संस्थापक तहसीन पूनावाला ने ई20 ईंधन नीति के खिलाफ नया आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि ई20 नीति सबसे खराब तरीके से लागू की गई नीतियों में से एक है। उनका कहना है कि अगर इस नीति में सही सुधार किए जाएं तो लोगों को 80 से 90 रुपए प्रति लीटर के बीच शुद्ध और बिना मिलावट वाला पेट्रोल मिल सकता है। इसी मांग को लेकर उन्होंने 31 जुलाई को दिल्ली में 'गाड़ी मार्च, गांधी मार्च' निकालने की घोषणा की है। तहसीन ने लोगों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होगा और संसद मार्ग होते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरदीप पुरी के कार्यालय तथा आवास के बाहर पहुंचेगा।

खबर संक्षेप

श्री प्रेमानंद के लिए खास मोती पोर्ट्रेट बनाया

जमशेदपुर। श्री प्रेमानंद महाराज के लिए जमशेदपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने भगवान श्री राधा-कृष्ण का 11गुणा 7 फीट का दुनिया का सबसे बड़ा मोती पोर्ट्रेट बनाया है। यह लगभग 4 लाख क्रिस्टल और मैट मोतियों से तैयार किया गया है। इसका आकार 11 गुणा 7 है। 3 माह से अधिक की मेहनत करके बनाया है। विश्व का सबसे बड़ा पोर्ट्रेट तैयार कर रिकार्ड बनाया है।

असम की फैक्ट्री में धमाका, 4 की मौत

दिसपुर। असम के कछार जिले में रविवार सुबह एक फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 4 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे उधारबंद थाना क्षेत्र के पंग्राम में स्थित काडे ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी नाम की रॉड बनाने वाली फैक्ट्री में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के कुछ हिस्से पक्षतिग्रस्त हो गए।

2 लाख की नशीली दवा के साथ तीन युवक गिरफ्तार

भिलाई। दो लाख की नशीली दवाओं के साथ 3 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में नशे की दवा बरामद किया गया है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि छावनी पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि पावर हाउस परिसर में कुछ युवक प्रतिबंधित नशीली दवाई बेच रहे हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

5 रुपए के नोट के फेर में युवक ने गंवाए 1.2 लाख

फरीदाबाद। फेसबुक पर पुराने नोट खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। आरोपियों ने 5 रुपए के पुराने ट्रैक्टर छपे नोट के बदले एक करोड़ रुपए देने का झांसा देकर एयरपोर्ट फीस, कस्टम, जीएसटी और अन्य शुल्क के नाम पर 1.02 लाख रुपए ठग लिए। हरियाणा के फरीदाबाद सेक्टर-आठ निवासी सुनील कुमार जैन ने पुलिस को शिकायत दी है।

राज्य में 95 लाख गाड़ियां और 45 लाख बिना बीमा सड़कों पर दौड़ रहीं

हालात खराब, केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने एक साथ चार साल का बीमा पैकेज किया अनिवार्य

गिरीश केशरवानी ▶▶ रायपुर

अलग खबर

वाहन मालिकों द्वारा बीमा रिन्यूअल की अनदेखी आम समस्या बन गई है। राज्य में कुल 96 लाख गाड़ियों में से 45 लाख से ज्यादा गाड़ियों का बीमा रिन्यूअल नहीं हुआ है। देश में यह आंकड़ा 16.5 करोड़ से ज्यादा है। राज्य के जिन गाड़ी मालिकों ने अपनी गाड़ियों का बीमा रिन्यूअल नहीं कराया है, उनमें दोपहिया गाड़ी मालिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। वाहन मालिक खरीदी के समय तो बीमा करा लेते हैं, लेकिन अवधि समाप्त होने के बाद उसका रिन्यूअल नहीं कराते। राष्ट्रीय वाहन डेटाबेस के अनुसार, देशभर में लगभग 16.5 करोड़ वाहन बिना बीमा के चल रहे हैं। यह भारतीय सड़कों पर दौड़ रहे कुल वाहनों का 44 से 54 प्रतिशत हिस्सा है। बीमा रिन्यूअल नहीं कराने की लापरवाही को देखते हुए केंद्र सरकार ने नए नियम लागू किए हैं, जिसके तहत नई गाड़ियों की बिक्री पर अब एक साथ 4 साल का बीमा पैकेज (पहले साल फर्स्ट पार्टी और अगले 3 साल थर्ड पार्टी बीमा) अनिवार्य कर दिया है। बीमा रिन्यूअल नहीं होने से एक्सीडेंट या किसी तरह से हादसा होने पर बीमा क्लेम करने के समय गाड़ी मालिक को क्लेम करने के समय परेशानी का सामना करना पड़ता है।

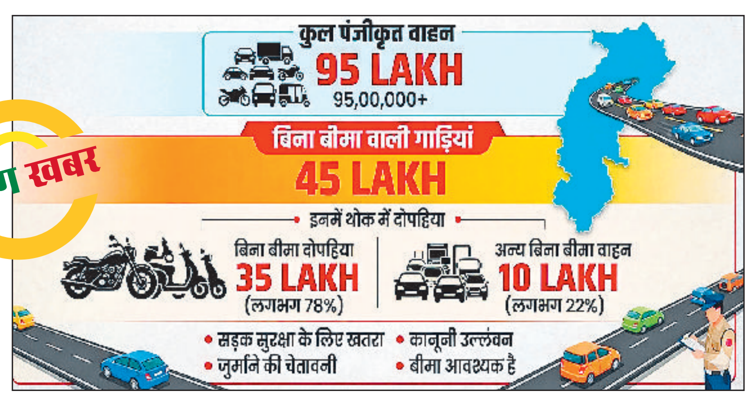

इसलिए जरूरी है गाड़ियों का बीमा

दुर्घटना, वाहन चोरी या प्राकृतिक आपदा (बाढ़, तूफान आदि) होने पर बीमा कंपनी गाड़ी के मूल्यांकन के आधार पर क्लेम की राशि देती है। बीमा नहीं होने पर सारा आर्थिक बोझ और कानूनी जिम्मेदारी सीधे वाहन मालिक पर आ जाती है। सड़कों पर चलने वाली प्रत्येक गाड़ी के लिए कम से कम थर्ड-पार्टी बीमा होना अनिवार्य है। जो गाड़ी मालिक अपनी गाड़ी का बीमा नहीं कराते, उन पर कड़े जुर्माने का प्रावधान है। पहली बार पकड़े जाने पर दो हजार रुपए का जुर्माना, बार-बार उल्लंघन पर दस हजार रुपए तक जुर्माना या सजा का प्रावधान है। बीमा समाप्त होने पर किसी भी कानूनी अड़चन और भारी आर्थिक नुकसान से बचने के लिए गाड़ी मालिक ऑनलाइन या ऑफलाइन बीमा रिन्यूअल करा सकते हैं। दोपहिया वाहन में दो से चार हजार रुपए जुर्माना के साथ तीन महीने सजा का प्रावधान है।

टोल प्लाजा में होती है निगरानी

मालवाहक के साथ चारपहिया वाहन जिनका बीमा रिन्यूअल नहीं हुआ रहता, ऐसी गाड़ियों की पहचान टोल प्लाजा में होती है। इसीलिए उनका तत्काल ई-चालान काटकर मैसेज भेज दिया जाता है। शहर के अंदर बगैर बीमा रिन्यूअल के चलने वाली गाड़ियों की पहचान करने एक एप है, उस एप के माध्यम से गाड़ियों के फिटनेस से लेकर बीमा तथा अन्य जानकारी एक क्लिक में मिल जाती है।

एक्सपर्ट व्यू

अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के अनुसार गाड़ी मालिकों को फर्स्ट के साथ थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य रूप से कराना चाहिए। कार्रवाई से बचने केवल सिंगल या थर्ड पार्टी बीमा नहीं कराना चाहिए, इससे गाड़ी मालिकों को आगे चलकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एप के माध्यम से गाड़ियों की जानकारी निकालकर कमी बेसी होने पर कार्रवाई की जाती है।

दो प्रकार के बीमा में से कोई एक बीमा आवश्यक किया

गाड़ी मालिक बीमा रिन्यूअल नहीं कराने की कार्रवाई से तभी बच सकते हैं, जब उनके पास फर्स्ट या थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। फर्स्ट पार्टी होने पर एक्सीडेंट या हादसा होने पर गाड़ी मालिक को ही बीमा का लाभ मिलेगा। थर्ड पार्टी बीमा होने पर एक्सीडेंट होने पर घायल या मृतक के परिवार को बीमा कंपनी मुआवाजा देगी। थर्ड पार्टी बीमा नहीं होने पर गाड़ी मालिक को हर्जाने की रकम देना होगा।

सिद्धारमैया का संन्यास, पार्टी पर 'बिफरे'

आज की राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो गई, चुनाव लड़ने के लिए भी पैसा देना पड़ रहा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता सिद्धारमैया ने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया है। रविवार को एक्स पर पोस्ट करके उन्होंने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जताई। सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है। इसलिए मैंने फैसला लिया कि मैं साल 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज बनकर उनके लिए काम करता रहूंगा। सिद्धारमैया ने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग एक बार फिर मुझसे चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन मैंने तय कर लिया है कि अब मैं भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा।

पहले जब मैं चुनाव लड़ता था, तब क्षेत्र की जनता ही हमारे लिए धन जुटाती थी और हमें जीत दिलाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। मेरी उम्र अब 79 वर्ष है। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल और बाकी है। दूसरी ओर, कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फैसला लेने के लिए कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह तैयार है और लगभग 20 मंत्री पदों के लिए कांग्रेस के 60 से अधिक विधायक होड़ में हैं।

सिद्धारमैया ने उम्र का दिया हवाला

कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2028 तक मेरी उम्र 82 वर्ष हो जाएगी और तब मेरे राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही पहले जैसी ऊर्जा के साथ काम करना संभव है। उन्होंने कहा कि मैंने 1978 में तालुक बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इन पांच दशकों में मैंने जीत और हार दोनों देखी हैं। लेकिन मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ कोई काम किया।

ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं

सिद्धारमैया ने कहा कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि चुनाव लड़ने के लिए नेताओं को जनता को पैसा देना पड़ता है। राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बची है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मैंने भविष्य में चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से राज्य की जनता ने मुझे अपना मानकर स्नेह और मार्गदर्शन दिया है। मैं इस कर्ज को कभी नहीं चुका सकता। इसलिए मेरा बाकी जीवन भी जनता की सेवा और उनके हितों के लिए समर्पित रहेगा। पोस्ट के अनुसार सिद्धारमैया ने शनिवार को मंड्या जिले पेट में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में ये बातें कही थीं।

राघवेंद्र और रूपेश के ठिकानों पर ईडी- आईटी की दबिश, बैंक खातों और दस्तावेजों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

शहर के प्रमुख कारोबारी स्वर्गीय राजकुमार सराफ के पुत्र राघवेंद्र सराफ एवं रुपेश सराफ के गौरव पथ स्थित निवास पर प्रवर्तन निदेशालय ईडी एवं आयकर विभाग ने कार्रवाई की। करीब 24 घंटे तक चली कार्रवाई रविवार देर शाम को समाप्त हुई। कार्रवाई पूरी होने के बाद विभाग की टीम कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने साथ लेकर रवाना हो गई। जांच के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात करीब 8 बजे प्रवर्तन निदेशालय की टीम कारोबारी के निवास पर पहुंची थी। और रविवार सुबह तक जांच करती रही। इसके बाद आयकर विभाग की टीम ने दस्तावेजों और वित्तीय अभिलेखों की विस्तृत जांच की। अधिकारियों ने कारोबार से जुड़े विभिन्न दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड का परीक्षण किया तथा कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गए। बताया जाता है कि सराफ परिवार का कारोबार पीतल, सराफा, भूमि एवं शराब व्यवसाय से जुड़ा है।

दक्षिणी राज्यों में कोरोना का बढ़ा खतरा

अस्पतालों को किया सतर्क इमरजेंसी बेड बनाने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना के दौर की डरावनी यादें शायद ही कोई भूल पाया होगा। इसकी तीन लहरों के दौरान अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ऑक्सीजन की कमी, मास्क और सेनिटाइजर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। हम सभी मानने लगे थे कि अब खतरा टल गया है।हालांकि कोरोना फिर से दस्तक देता दिख रहा है। पिछले करीब एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी भले ही महामारी के दौर जैसी नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नजरअंदाज करने की गलती न करने की सलाह दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने निगरानी बढ़ा दी है, अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है और संदिग्ध मामलों की टेस्टिंग की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में संक्रमण के करीब 50 मामले

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के 10 नए मामले सामने आए। मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। 4लोगों की मौत भी हो चुकी है। 24 मरीज अस्पतालों में हैं, जबकि 16 मरीज मेडिकल देख-रेख में घर पर हैं। 5 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पूर्वी गोदावरी जिले में सबसे ज्यादा 11 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंटूर में 9 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद कडप्पा में 8, विशाखापत्तनम में 5, एनटीआर में 4 और 3 और काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले सामने आए।

प्रधानमंत्री ने 'विकसित वाइब्रेंट विलेज' में की प्रतिभागियों से बात

'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने अनुभव साझा किया

विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत की। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। एक 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें देश के सीमावर्ती गांवों का दौरा करने का अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे गांवों को देखने का मौका मिला, जहां जाने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। एक अन्य 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि जब उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, तब उन्हें महसूस हुआ कि विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही है। स्कूलों में भी विकसित भारत की सोच दिखाई दी।

245 जिलों के 5000 जेन जेड से एक साथ जुड़े

इस खास कार्यक्रम में देश के 245 जिलों के 5000 से अधिक छात्र और युवा प्रतिनिधि एक साथ जुड़े। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य भारत के सीमावर्ती गांवों को देश का अंतिम गांव न मानकर उन्हें पहला गांव स्वीकारना और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को सक्रिय भागीदार बनाना है।

चांगो पहुंचकर पनिकिता ने कहा- सड़कें देखकर हैरान हूं

प्रतिभागी निकिता ने बताया कि चांगो जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर देखे गए वीडियो के आधार पर यह मान लिया था कि वहां न मोबाइल नेटवर्क होगा और न ही बिजली की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जब वह वहां पहुंचीं और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के बीच बनी मजबूत सड़कों को देखा तो हैरान रह गईं।

दादर-नागर हवेली के दिव्यांश ने जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान दादर-नागर हवेली के युवा प्रतिभागी दिव्यांश जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि मेरे जैसे आम युवाओं को देश के दूरदराज और सीमावर्ती गांवों में जाने और वहां रहने का मौका दिया। इस अद्भुत और सीख देने वाले अनुभव के लिए मैं आपका और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद करता हूं।

ग्रामीणों ने कहा- सड़क, नलजल और नेटवर्क की सुविधा मिली

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने कहा कि अब क्षेत्र में चौबीसों घंटे बिजली और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनका भरोसा बढ़ा है और उनका जीवन पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। कई सुविधाएं अब ग्रामों में ही मिल रही हैं।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का लाभ बढ़कर 3,068 करोड़ रुपए

मुंबई। बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 36.23 प्रतिशत बढ़कर 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के लाभ में वृद्धि मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में बढ़ोतरी के कारण हुई। 2025-26 की समान तिमाही में 2,252.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

एनटीपीसी का लाभ 13% बढ़कर 6897 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 6,896.44 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 6,108.46 करोड़ रुपये था।

आयातित तेलों के भाव में गिरावट, सरसों में सुधार

नई दिल्ली। लागत से नीचे दाम पर की जाने वाली बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में आयातित तेलों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग की सुगबुगाहट के कारण सरसों एवं मूंगफली तेल तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया।

नेपाल ने नोटबंदी के बाद भारतीय मुद्रा पर लगे अंकुश हटाए

एजेंसी ▸▸| काठमांडू

नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को नौ नवंबर, 2016 या उसके बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा 25,000 रुपये रखी गई।

- देश में नोट लाने और बाहर ले जाने की अधिकतम सीमा 25,000 रुपए

भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद सिर्फ 100 रुपये के नोट को ही लाने ले-जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने बृहस्पतिवार को जारी एक सूचना में कहा कि नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के भारतीय नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे।

नेपाल ने 200, 500 के नोट को भी दी अनुमति

अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते

नेपाल राष्ट्र बैंक ने इन प्रावधानों को 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना जारी कर पहले ही लागू कर दिया था। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को नियमों को दोहराते हुए और उनके क्रियान्वयन को स्पष्ट करने के लिए नया नोटिस जारी किया। नए नियमों की व्याख्या करते हुए एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने शनिवार को कहा कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते।

नोटबंदी के बाद नेपाल ने लगाया था प्रतिबंध : नोटबंदी के बाद नेपाल ने पुरानी भारतीय मुद्रा के उपयोग और लेनदेन पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। इस कदम से दोनों देशों के बीच यात्रा और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष करनी होगी घोषणा

यदि यह राशि 5,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक होती है, तो आगमन के समय सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष उसकी घोषणा करना अनिवार्य होगा। भारत ने आठ नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 रुपये के नोट को बंद कर दिया था। इसके बाद 500 रुपये और 2,000 रुपये के नए नोट जारी किए गए थे। बाद में 2,000 रुपये के नोट भी वापस ले लिए गए।

अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा नियमों के तहत नेपाली और भारतीय नागरिक नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट नेपाल ला सकते हैं या वहां से ले जा सकते हैं, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रहेगी।

व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को होगी सुविधा

इसी प्रकार, वे भारत को छोड़कर किसी अन्य देश में नेपाल से भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को काफी सुविधा होगी। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक बिना सीमा शुल्क घोषणा के 5,000 अमेरिकी डॉलर या अन्य विदेशी मुद्राओं में उसके बराबर राशि तक नेपाल ला सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ की रिपोर्ट में यह बात कही गई

गैस की मांग बढ़ाने को सिर्फ एलएनजी आयात क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं : रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने एलएनजी री-गैसीफिकेशन टर्मिनल की क्षमता तो बढ़ाई है, लेकिन गैस के परिवहन और वितरण से जुड़ा बुनियादी ढांचा उसी गति से विकसित नहीं हो पाया है। इससे देश की गैस खपत बढ़ाने की क्षमता पर सीधा असर पड़ा है।

भारत बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर

आईजीयू ने हालिया होर्मुज जलडमरूमध्य संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने भारत की गैस आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर किया है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस और एलपीजी की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है।

एलपीजी की 60 से 65 फीसदी मांग आयात से पूरी

घरेलू उत्पादन कुल गैस मांग का लगभग 50-52 प्रतिशत ही पूरा कर पाता है, जबकि शेष आवश्यकता कतर, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस से एलएनजी आयात से पूरी होती है।तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के मामले में भी देश अपनी 60-65 प्रतिशत जरूरत आयात के जरिये पूरी करता है। रिपोर्ट कहती है कि भारत का अधिकांश एलएनजी और एलपीजी आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है।

भारत में प्राकृतिक गैस की दीर्घकालिक मांग बढ़ाने के लिए केवल तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात क्षमता बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ-साथ गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार, गैस आधारित उद्योगों में निवेश तथा बाजार, नियमन और मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे।

- गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार जरूरी
- मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे
- परिवहन और वितरण का बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं

गैस पाइपलाइन का तेजी से विस्तार करना होगा : आईजीयू ने सुझाव दिया है कि भारत को एलएनजी टर्मिनल तक अधिक खुली पहुंच, प्रणाली प्रवेश शुल्क में सुधार और बाजार के उदारीकरण जैसे कदम उठाने चाहिए, ताकि खरीदार कम कीमतों का लाभ उठा सकें और आयात टर्मिनल का बेहतर उपयोग हो सके।

खाड़ी युद्ध तनाव ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

हालिया पश्चिम एशिया तनाव के दौरान इस मार्ग पर आई बाधाओं ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी। हालांकि, दीर्घकाल में स्थिति बेहतर होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दशक के शेष वर्षों में वैश्विक स्तर पर नई एलएनजी निर्यात परियोजनाओं के शुरू होने से आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की कीमतों पर दबाव पड़ेगा और भारत के लिए गैस का उपयोग अधिक किफायती हो सकेगा।

थोक गैस सस्ती होने से खपत नहीं बढ़ेगी

प्रतिस्पर्धी परिवहन शुल्क और मजबूत पारेषण नेटवर्क से गैस की लागत कम होगी और नए उपभोक्ताओं को जोड़ना आसान होगा। आईजीयू का मानना है कि केवल थोक गैस सस्ते दाम पर उपलब्ध होने से खपत नहीं बढ़ेगी। इसके लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, गैस मूल्य निर्धारण प्रणाली में सुधार, व्यावसायिक अनुबंधों को सरल बनाने और व्यापक बाजार सुधारों की भी आवश्यकता होगी।

आयात के स्रोत बढ़ाने होंगे

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र के संकट ने एलएनजी आयात की विश्वसनीयता पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन विभिन्न देशों से आयात के स्रोत बढ़ाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड बनाने में जुटी एआई प्लस

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

- एआई प्लस को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना
- कंपनी को 7,500 करोड़ रु. के कारोबार का लक्ष्य

स्मार्टफोन उद्योग में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव सेठ भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड 'एआई प्लस' को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

सेठ ने कहा कि चीन के स्मार्टफोन बाजार और आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख का इस्तेमाल वह भारत में एक मजबूत घरेलू ब्रांड बनाने में कर रहे हैं। सेठ ने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी ने सितंबर, 2025 में अपना पहला स्मार्टफोन बाजार में उतारा था। कंपनी ने अपने पहले ही वित्त वर्ष में 965 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सेठ ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी का पहला पूर्ण परिचालन वर्ष होगा और इस दौरान कारोबार कई गुना बढ़कर 7,500 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी पूरी तरह भारतीय कंपनी है। सेठ ने कहा कि रियलमी जैसे ब्रांड को चीनी बाजार में स्थापित करने के अनुभव और चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख के आधार पर कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन ब्रांड खड़ा कर रही है।

किसी भी भारतीय स्मार्टफोन की वैश्विक पहचान नहीं

सेठ ने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बाजार की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। देश में स्मार्टफोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है।

देश में कलपुर्जों का तंत्र विकसित करने की जरूरत

सेठ ने कहा, ''भारत में कलपुर्जों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए जरूरी है कि यहां से कोई मजबूत भारतीय ब्रांड खड़ा हो। मौजूदा समय में इस क्षेत्र पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है, जिससे घरेलू स्तर पर पुर्जों के निर्माण का विकास मुश्किल रहा है।''

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूंजीकरण में एचडीएफसी बैंक को ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक यानी 2.67 प्रतिशत टूट गया।

मारुति चालू वित्त वर्ष में नौ लाख सीएनजी वाहन बेचेगी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष में करीब नौ लाख सीएनजी वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बाद ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से सीएनजी वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने विभिन्न मॉडल श्रेणियों में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है।

टाटा टेक्नोलॉजीज को 'बड़ी छलांग' की उम्मीद

- सीईओ ने कहा, चालू वित्त वर्ष ब्रेकआउट ईयर होगा साबित
- कंपनिया नए उत्पादों के विकास में बढ़ा रही निवेश

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'बड़ी छलांग' (ब्रेकआउट ईयर) वाला साल साबित होगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक वॉरेन हैरिस ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक से अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ टाटा टेक्नोलॉजीज को मिल रहा है। हैरिस ने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध भी शामिल है।

एबीडीएल को आमदनी में 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। शराब बनाने वाली कंपनी अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडीएल) को वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्व और बिक्री मात्रा में 15 प्रतिशत (मिड-टीन) स्तर की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी को प्रीमीयम उत्पादों पर बढ़ते ध्यान, निर्यात कारोबार के विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ने से यह वृद्धि मिलने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं।

राशिफल

मेष: धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष: वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन: शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क: आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह: सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या: किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक: शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर: व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ: मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन: परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी : सीतारमण

- लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकना न पड़े
- नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यो का करे निपटारा

एजेंसी ▸▸| मुंबई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा है कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए। वित्त मंत्री ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने रविवार को कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सीतारमण ने कहा कि यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का

ईमानदारी ही कर प्रशासन की आधारशिला

अपने संबोधन के अंत में सीतारमण ने कहा कि ईमानदारी ही कर प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी अधिकारियों से निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

फेड के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार पर डालेगा असर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के कंपनियों के नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अमेरिका-ईरान संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली जहाजों की आवाजाही और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव वैश्विक बाजारों की धारणा को प्रभावित करेंगे। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दरों और महंगाई पर दिए जाने वाले संकेत निवेशकों के लिए अहम रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक जून महीने के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार का संकेत मिलेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टस्मार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही परिणाम घोषित करेंगी।

शब्द पहेली - 6299

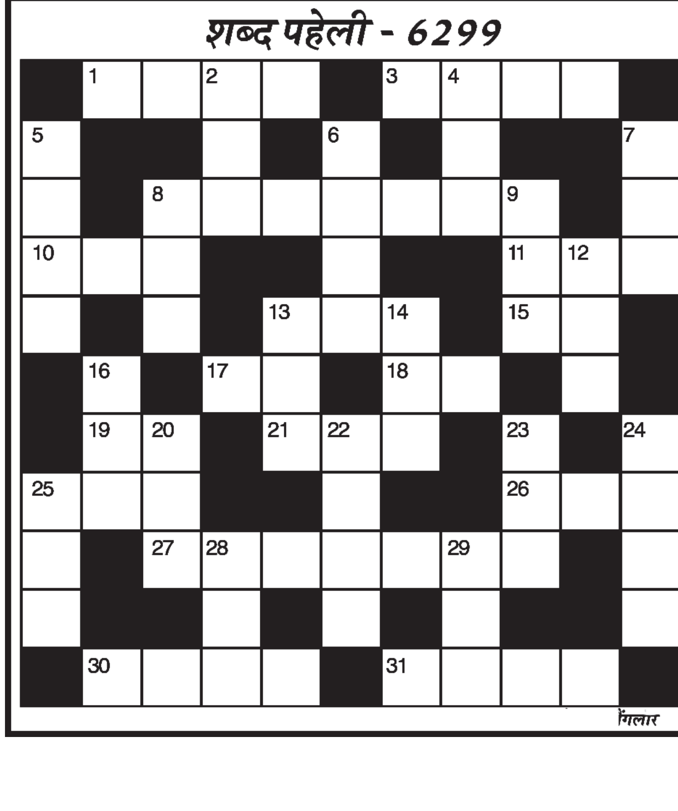

गिलार

बाएँ से दाए

1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6298 का हल

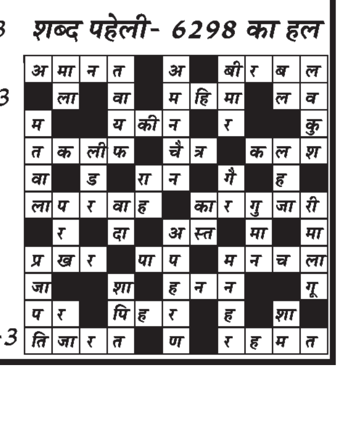

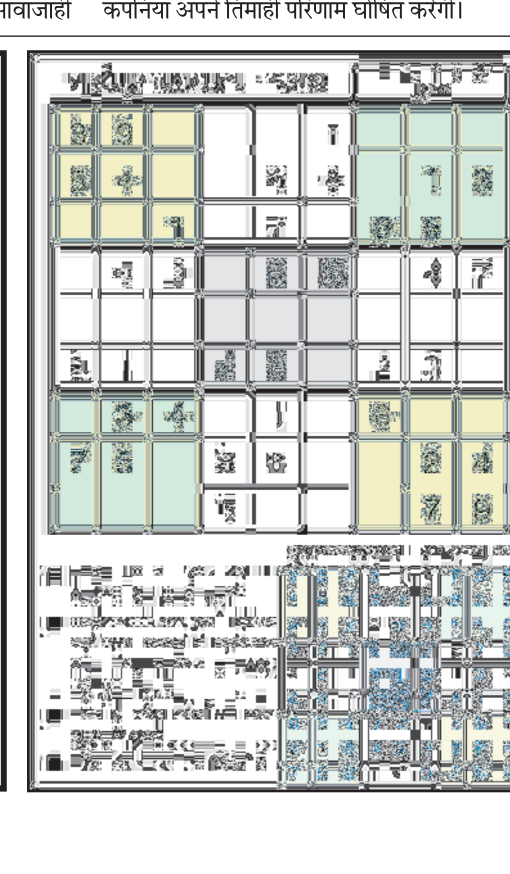

ऋषिकांत सिंह ने वेटलिफ्टिंग में स्नैच रिकॉर्ड के साथ जीता सिल्वर मेडल

एजेंसी ▸▸ ग्लास्गो

क्लीन एवं जर्क में अंतिम दो प्रयास में चूकने के बाद भारत के ऋषिकांत सिंह चानमबम को रविवार को राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 60 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मणिपुर के ऋषिकांत ने कुल 264 किग्रा (121 और 143 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 किग्रा वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसके कारण दूसरे स्थान पर रहे।

स्नैच में ऋषिकांत ने बनाया नया रिकॉर्ड

ऋषिकांत ने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह केवल 143 किग्रा वजन ही उठा सके। मलेशिया के बिन कसदान मोहम्मद अनीक ने कुल 273 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में खेलों का रिकॉर्ड 152 किग्रा वजन उठाया। कीनिया के जोशुआ अमुंगा एमबोया ने कुल 260 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 115 जबकि क्लीन एवं जर्क में 145 किग्रा वजन उठाया।

स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर की रिकॉर्ड की बराबरी

सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक

स्नैच में ऋषिकांत ने सफलतापूर्वक 116 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की और फिर 119 किग्रा और आखिर में 121 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में ऋषिकांत ने पहले प्रयास में 143 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया लेकिन दूसरे प्रसास में 148 और तीसरे प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाने में नाकाम रहे और स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। ऋषिकांत का यह पदक मौजूदा खेलों में सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक है।

भारतीय पुरुष चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले तैराकी टीम फाइनल में

ग्लास्गो। भारतीय पुरुष चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर पदक जीतने की उम्मीद कायम रखी है। धक्षण शशिकुमार, अनीश सुनील कुमार गौड़ा, आर्यन नेहरा और श्रीहरि नटराज की भारतीय चौकड़ी ने सात मिनट 39.48 सेकंड का समय निकाला। टीम अपनी हीट में तैराकी की मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया (7:08.66) और इंग्लैंड (7:18.13) के बाद तीसरे स्थान पर रही। कनाडा के प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने के कारण इस हीट में केवल चार टीमें उतरी थीं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत और जर्सी चारों ने आठ टीमों के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

महिला वॉल्ट फाइनल में प्रतिष्ठा सामंता

भारत की प्रतिष्ठा सामंता ने राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता की महिला वॉल्ट स्पर्धा के क्वालीफाइंग में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल की 22 वर्षीय खिलाड़ी प्रतिष्ठा ने अपने दोनों वॉल्ट में 13.025 अंक हासिल करके शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह पक्की की। भारत की ही प्रणति नायक हालांकि मामूली अंतर से क्वालीफाई करने से चूक गई। वह 12.555 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहकर तीसरी रिजर्व खिलाड़ी रहीं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इशिता रेवाले 11.725 अंकों के साथ 15वें, जबकि निशिका अग्रवाल 11.075 अंकों के साथ 19वें स्थान पर रहीं। आलराउंड प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा और इशिता दोनों ही फाइनल में जगह नहीं बना पाई।

खबर संक्षेप

अब्दुल्ला शफीक पाकिस्तानी टेस्ट टीम में शामिल

कराची। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला और और उसके बाद इंग्लैंड दौरे में होने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को अपनी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी दौरों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए टीम में जोड़ा गया है। शफीक वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ गए हैं। वह गयाना में ग्लोबल टी20 लीग में खेल रहे थे।

स्कॉटिश ओपनः शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब दीक्षा

डुनडोनाल्ड लिंक्स। गोल्फर दीक्षा डागर तीसरे दौर में दो अंडर 70 के स्कोर से महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। तीन दौर के बाद दीक्षा का कुल स्कोर एक ओवर है। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता दीक्षा ने बारिश और तेज हवाओं के बीच 18वें होल में बर्डी का मौका गंवा दिया लेकिन इसके बावजूद अंडर पार का स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे पहले भारत की अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स कट हासिल करने में नाकाम रहीं। कोरिया की जेनी शिन 12 अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया।

निशानेबाजी विश्व कपः पदक से चूके ऐश्वर्य, नीरज

हांगझोउ। भारत के दो निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बावजूद पदक जीतने में नाकाम रहे, जिससे देश केवल एक रजत पदक के साथ तालिका में संयुक्त सातवें स्थान पर बना हुआ है। भारतीय राइफल निशानेबाजों की किस्मत इस बार भी उनका साथ नहीं दे सकी। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता नीरज दोनों आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे, लेकिन क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन को पदक में नहीं बदल सके। ऐश्वर्य ने 314.3 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया जबकि नीरज 303.4 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे।

कल होगा टीम का ऐलान, वाशिंगटन पहले टेस्ट से बाहर

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम चयन में फिटनेस बनी बड़ी चुनौती

चोट के कारण सीरीज नहीं खेलेंगे नीतीश-हर्षित

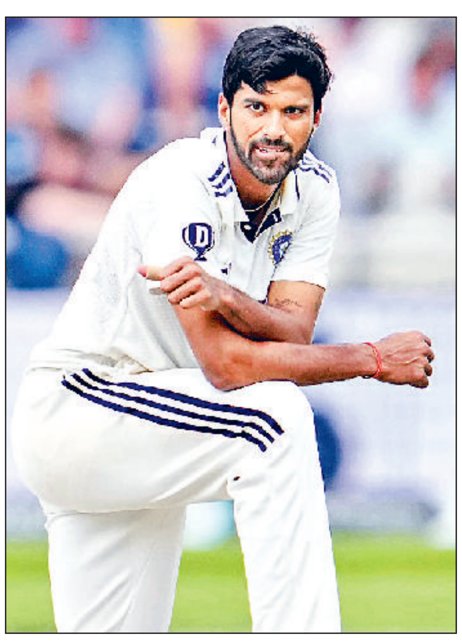

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चयनकर्ता श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले चयन को लेकर दुविधा में हैं, क्योंकि वाशिंगटन सुंदर की 15 अगस्त से गॉल में होने वाले पहले मैच के लिए समय पर ठीक होने की संभावना नहीं है, जिससे रिजर्व स्पिनर का स्थान खाली हो जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा मंगलवार को की जाएगी और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए सबसे बड़ी चुनौती फिट टीम का चयन करना है क्योंकि कई खिलाड़ी फिटनेस संबंधी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी फिटनेस टेस्ट देना होगा। वह चोट लगने के कारण लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में नहीं खेल पाए थे।

बीसीसीआई ने किया फिटनेस अपडेट जारी

बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने फिटनेस संबंधी अपडेट जारी कर बताया है कि हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी दोनों ही श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। यह दोनों खिलाड़ी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं और अभी फिट होने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। चयन मामलों से परिचित बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'वाशिंगटन दूसरे टेस्ट तक ही फिट हो पाएंगे। यह देखना बाकी है कि चयनकर्ता उनकी फिटनेस के आधार पर उन्हें एक मैच के लिए चुनते हैं या नहीं। अगर ऐसा नहीं हो पता है तो उन्हें स्पिन विभाग में रविंद्र जडेजा, मानव सुथार और कुलदीप यादव के अलावा चौथे विकल्प की तलाश करनी होगी। अगर वे हर्ष दुबे का चयन करते हैं, तो तीन गेंदबाज एक जैसे कौशल के हो जाएंगे।'

सारांश को मिल सकता है मौका

सारांश ने हाल में श्रीलंका ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मैचों में छह विकेट लिए और एक मैच में नाबाद 70 रन बनाए। मुख्य कोच गौतम गंभीर बल्लेबाजी क्रम को मजबूत रखने की रणनीति को प्राथमिकता देते रहे हैं और ऐसे में सारांश अच्छे विकल्प हो सकते हैं। अन्य विकल्पों में जीशान अंसारी और विपराज निगम जैसे कलाई के स्पिनर शामिल हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि निगम सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

आकाशदीप 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहेः बुमराह के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे। एक अन्य तेज गेंदबाज आकाशदीप अभी भी 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहे हैं।

भारत की रूपा, पिंकी लॉन बॉल्स महिला पेयर्स स्पर्धा में नामीबिया से हारीं

भाषा ▸▸ ग्लास्गो

भारत की रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह को रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स महिला पेयर्स सेक्शनल स्पर्धा में लगातार तीन जीत के बाद नामीबिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

रूपा और पिंकी सेक्शन बी मैच में नामीबिया की अमांडा स्टीनकैंप और डायना विलजोएन की जोड़ी के खिलाफ टाईब्रेक में 0-3 से हार गईं। दोनों जोड़ियों ने एक-एक सेट जीता था। भारतीय टीम पहला सेट 5-7 से हार गई लेकिन वापसी करते हुए दूसरा सेट 10-1 से जीत लिया। भारतीय टीम आज ही इंग्लैंड से खेलेगी जिससे यह तय होगा कि सेमीफाइनल में कौन पहुंचेगा। इंग्लैंड अभी सेक्शन बी में अपने सभी चार मैच जीतकर शीर्ष पर है।

■ पुरुष एकल में सोनोवाल बाहर, माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस से 0.5–1.5 से हारे

शनिवार को रूपा और पिंकी की भारतीय टीम ने टोंगा को टाईब्रेक में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की थी।

पुतुल सोनोवाल के रविवार को ग्रुप डी के मैच में माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस से 0.5-1.5 से हारने के बाद उनकी पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। दो-सेट वाले इस मुकाबले में पार्निस ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाए रखा। पांच 'एंड' के बाद वह 10-0 से आगे थे जिसके बाद सोनोवाल ने आखिरी दो 'एंड' में दो-दो शॉट लगाकर अंतर कम किया, लेकिन वह 4-10 से हार गए।

यूटीटी फाइनलः यू मुंबा ने डेम्पो गोवा चैलेंजर्स को 8-5 से हराकर खिताब जीता

पणजी। गत चैंपियन यू मुंबा टीटी ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां खेले गए फाइनल में डेम्पो गोवा चैलेंजर्स को 8-5 से हराकर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सातवें सत्र का खिताब बरकरार रखा। पहले दो मुकाबलों के बाद यू मुंबा 2-4 से पीछे चल रही थी, लेकिन मौजूदा चैंपियन ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया और मुकाबले की दिशा बदलते हुए खिताबी जीत हासिल की। कप्तान मनुष शाह और अन्ना हर्सी ने मिश्रित युगल में शानदार जीत दर्ज कर वापसी की शुरुआत की। इसके बाद मनुष ने अल्वारो रोबल्स के खिलाफ अहम जीत हासिल कर यू मुंबा को बढ़त की ओर पहुंचाया। निर्णायक मुकाबले में अनुषा कुटुम्बले ने सिंड्रेला दास के खिलाफ दबाव में संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की और यू मुंबा को खिताब दिलाया। इसके साथ ही गोवा की टीम को पूरे सत्र में पहली और एकमात्र हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ यू मुंबा ने प्रतियोगिता की सबसे सफल फ्रेंचाइजी के रूप में डेम्पो गोवा चैलेंजर्स की बराबरी कर ली। दोनों टीमों के नाम अब दो-दो खिताब हैं। यूटीटी के सातवें सत्र में दुनियाभर के 42 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 14 ओलंपियन भी शामिल थे।

सूर्यवंशी और मयंक का शानदार प्रदर्शन

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया, श्रृंखला क्लीन स्वीप की

एजेंसी ▸▸ हरारे

■ टी20 में 15 साल और 121 दिन की उम्र में वैभव का दूसरा अर्धशतक

भारत ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की परिस्थितियों के अनुरूप खेली गई 81 रन की शानदार पारी और तेज गेंदबाज मयंक यादव (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन बदौलत रविवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की। इंग्लैंड से 0-4 से और आयरलैंड से 0-2 से श्रृंखला गंवाने के बाद यह भारत की शानदार वापसी रही। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद भारत को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में थोड़ी मुश्किल पिच का सामना करना पड़ा लेकिन सूर्यवंशी ने अपनी 49 गेंदों की संयमित पारी के दौरान अपनी बल्लेबाजी का एक अलग ही अंदाज दिखाया जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। इससे भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को धीमी पिच पर बेहद संयमित बल्लेबाजी की जरूरत थी, लेकिन उसके बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सके और टीम सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रेयान बर्ल ने नाबाद 54 रन की जुझारू पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

ईशान के संग की 75 रन की साझेदारी

रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में वैभव सूर्यवंशी ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 75 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 95 के स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 50 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 81 रन की पारी खेली।

विश्व चैंपियनशिप जीतना मायने रखता है : अनाहत

नई दिल्ली। भारत की नंबर एक खिलाड़ी अनाहत सिंह ने कहा कि विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप जीतना उनके लिए बहुत मायने रखता है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनाहत ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे अब भी ऐसा लग रहा है जैसे मैं सपना देख रही हूं।''

दिल्ली की इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले चार वर्षों से मैं सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में हार रही थी। अगर कोई मुझसे पूछे तो मैं हमेशा यही कहती हूं, 'यह टूर्नामेंट मेरे लिए अभिशाप है' और मैं इस प्रतियोगिता में कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हूं।' अनाहत ने कहा, 'जूनियर स्तर पर यह मेरा आखिरी साल है और इसे जीतना का यह मेरे पास आखिरी मौका था। इसलिए यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' अनाहत ने कहा कि वह टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने के अनुभव का आनंद लेना चाहती थीं।

पाक-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज : हॉज ने खेली नाबाद पारी, पहले दिन बने 194 रन

एजेंसी ▸▸ तारौबा

कावेम हॉज की नाबाद 83 रन की पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन केवल 67 ओवर ही फेंके जा सके। पहले सत्र में केवल 14.1 ओवर फेंके गए।

वेस्टइंडीज के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद हॉज ने तीनों सत्र में बल्लेबाजी की। वह नौवें ओवर में क्रीज पर उतरे जब मोहम्मद अब्बास ने ब्रैंडन किंग (12) को आउट किया। जब खिलाड़ी लंच के बाद वापस लौटे बारिश के कारण पिच से गेंदबाजों को मदद मिलने लगी थी लेकिन हॉज डटे रहे। वेस्टइंडीज ने इस बीच सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल (21) और अमीर गांजू (21) के विकेट गंवाए। दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज के साथ शाई होप 39 रन बनाकर खेल रहे थे। यह दोनों चौथे विकेट के लिए अभी तक 88 रन जोड़ चुके हैं।

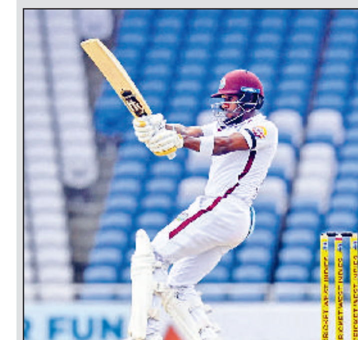

उस्मान अली का 33 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू

पाकिस्तान की तरफ से अब्बास ने 44 रन देकर दो विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर उस्मान अली ने 33 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने दिग्गज ऑलराउंडर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी पहनी, जिनका हाल में 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप में पाकिस्तान को दी मात

एशियन चैंपियन बनी टीम इंडिया, महिला टीम को रजत

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने मस्कट में खेली गई एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब जीता लेकिन महिला टीम को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारत की दोनों टीम ने हालांकि पांच-पांच खिलाड़ियों के साथ खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पुरुष वर्ग के फाइनल में भारत ने शुरू से ही पाकिस्तान पर दबदबा बनाए रखा तथा रोमित पाल (पांचवें), कप्तान केतन कुशवाहा (12वें) और शाहरुख अली (13वें मिनट) के गोल की मदद से भारत एशियाई चैंपियन बनने में सफल रहा। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम एलीट पूल तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

फाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

महिला वर्ग की प्रतियोगिता में भारतीय सब जूनियर टीम ने चीन के खिलाफ फाइनल में कड़े मुकाबले में 2-4 से हार झेलने के बाद रजत पदक जीता। इससे पहले दिन में भारत ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान को 8-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। फाइनल में चीन ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहले ही मिनट में टोंगटोंग लू के गोल से बढ़त हासिल कर ली। भारत ने 13वें मिनट में नौशीन नाज के गोल से अंतर कम किया लेकिन चेन गे ने 19वें मिनट में चीन को फिर से तीन गोल की बढ़त दिला दी। पुष्पा मांझी ने 20वें मिनट में गोल करके भारत की उम्मीद जगाई लेकिन चीन ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए खिताब जीत लिया।

एक सप्ताह में भारतीय नाविकों से जुड़ी दूसरी बड़ी त्रासदी

काला सागर में व्यापारिक जहाज पर, एक हफ्ते बाद फिर हुआ हमला ओडेसा पोर्ट पर 2 भारतीय नागरिक हुए लापता,2 को सुरक्षित निकाला

एजेंसी ▶▶ कीव

काला सागर के अशांत क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यूक्रेन के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओडेसा बंदरगाह पर हमले की चपेट में आए एक और मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर से दो भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। इस घटना ने क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 25 जुलाई को हुए इस हमले के समय जहाज पर कुल चार भारतीय नागरिक मौजूद थे। स्थानीय अधिकारियों की मदद से चलाए गए राहत कार्य में दो भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वह लापता नाविकों की स्थिति का पता लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है तथा खोज व बचाव अभियान तेज गति से जारी है। कीव में भारतीय दूतावास ने कहा है कि ब्लैक सी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लापता नाविकों का सुराग लगाने के लिए हर संभव प्रयास और स्थानीय अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। ब्लैक सी क्षेत्र में केवल एक सप्ताह के भीतर यह भारतीय नाविकों से जुड़ी दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले ओडेसा पोर्ट से ही रवाना हुए एक अन्य व्यापारिक जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हमला हुआ था। नागरिक जहाजों और निर्दोष नाविकों पर हो रहे हमलों की भारत सरकार ने कड़े शब्दों में निंदा की है।

4 में से 2 भारतीय सुरक्षित, बचाव अभियान जारी

जहाज पर 17 क्रू सदस्यों में 5 भारतीय शामिल थे

भारत सरकार का कड़ा रुख ,सुरक्षा के उपाय अपनाने को कहा

भारत ने जताई आपत्ति, कहा ये अस्वीकार

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार को बाधित करना और नागरिकों की जान जोखिम में डालना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ओडेसा, यूक्रेन का सबसे बड़ा बंदरगाह होने के कारण अक्सर मिसाइल और ड्रोन हमलों के सीधे निशाने पर रहता है। भारत सरकार ने दोहराया है कि वह प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

सरकार ने उठाए बड़े कदम

नई सुरक्षा एडवाइजरी कर दी जारी

ब्लैक सी क्षेत्र में बढ़ते खतरों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें सलाह दी है कि इस क्षेत्र में नौकरी का कोई भी प्रस्ताव स्वीकार करने या यात्रा करने से पहले वे वहां की सुरक्षा स्थिति का आकलन कर लें।

नाविकों और कंपनियों के लिए कड़े निर्देश

भारत सरकार ने भारतीय नाविकों और शिपिंग कंपनियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे किसी भी जहाज पर नियुक्ति से पहले सभी सुरक्षा पहलुओं की जांच करें। इसमें रूट, सुरक्षा, बीमा और सुविधाओं की पूरी जानकारी लें।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा की अपील

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा करते हुए भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि निर्दोष नाविकों की जान जोखिम में डालना स्वीकार्य नहीं है और सभी पक्षों को समुद्री व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करना चाहिए।

खबर संक्षेप

कजाकिस्तान में सुरक्षित उतरा अंतरिक्ष दल

मॉस्को। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आठ महीने बिताने के बाद अमेरिका और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल रविवार को कजाकिस्तान के विशाल मैदानी क्षेत्र में सुरक्षित रूप से उतर गया। नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स और रूसी दल के सदस्यों-सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव तथा सर्गेई मिकायेव अपने सोयुज एमएस-28 अंतरिक्ष यान से धरती पर लौटे। यह यान पैराशूट की मदद से सुरक्षित रूप से दक्षिण-पूर्व में निर्धारित क्षेत्र में उतरा।

नेपाल ने मान्यता का किया अनुरोध

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भारत यात्रा पर जाने वाले अपने नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को तीसरे वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का अनुरोध भारत से किया है। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल के अनुसार, यह प्रस्ताव राजनयिक माध्यमों से भारत सरकार को भेजा गया है। वर्तमान में नेपाली नागरिकों को हवाई यात्रा के लिए पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाणपत्र की जरूरत होती है। मंजूरी दे देता है, तो मार्गों के लिए एनआईडी भी मान्य होगा।

रक्षा मंत्री ने पड़ोसी मुल्क को खूब सुनाई खरी-खरी

कारगिल विजय दिवस: राजनाथ बोले- अब पाकिस्तान से पीओके पर बात होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर करारा अटैक करते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति का हिस्सा बना चुका है। कारगिल विजय दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। राजनाथ सिंह ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर अपने संबोधन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह दिखाया है कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत, पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम है जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत को भारत माता के मुकुट में जड़ा हीरा बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के आकाओं और उनके समर्थकों को करारा झटका दिया। राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर पाकिस्तान को सुना दिया

कारगिल युद्ध के समय भारतीय जवानों की वीरता ने इतिहास रचा था

सैनिकों का अदम्य साहस दिखा था कारगिल में

भारत और उसकी सशस्त्र सेनाएं पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम हैं जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ उठाया गया कोई भी दुर्भावनापूर्ण कदम उसी अंजाम तक पहुंचेगा। कारगिल विजय दिवस भारत के 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है। यह वह सैन्य अभियान था, जिसे पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद कारगिल की रणनीतिक चोटियों पर दोबारा नियंत्रण लेने के लिए चलाया गया था और जिसका सफल समापन 1999 में आज के दिन हुआ था। रक्षा मंत्री ने कहा कि कारगिल में मिली विजय केवल सैन्य या कूटनीतिक सफलता नहीं थी, बल्कि हमारे सैनिकों ने अदम्य साहस और अद्वितीय वीरता का परिचय दिया था। मैं 27वें कारगिल विजय दिवस पर अपने वीर जवानों और उनके शौर्य को नमन करता हूं।

भारत डेटा सेंटर बन रहा, पाकिस्तान कट्टरपंथ का केंद्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा इरादा साफ है कि अब पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर कोई बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पीओके पर होगी, जो भारत का हिस्सा है जिसपर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। पड़ोसी देश पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भारत जहाजों का डिजाइन तैयार करने में जुटा है, तब पाकिस्तान आतंकवाद की रूपरेखा बनाने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि जहां हम मॉडर्न और नए-नए रास्ते तलाश रहे हैं, वहीं पाकिस्तान घुसपैठ के नए तरीके खोजने में जुटा हुआ है। आज भारत डेटा सेंटर बना रहा है, जबकि पाकिस्तान कट्टरपंथ के केंद्र बनाने में लगा हुआ है।

सेना प्रमुख सेठ ने दी श्रद्धांजलि

इससे पहले थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने यहां कारगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) की अगुवाई में 'एरोहेड' (तीर के आकार) की संरचना में उड़ान भर रहे तीन हेलीकॉप्टरों ने युद्ध स्मारक पर आसमान से पुष्पवर्षा कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शनिवार को यहां पहुंचे रक्षा मंत्री 'श्रद्धांजलि समारोह' के मुख्य अतिथि रहे।

लंबे समय बाद समझे राष्ट्रपति ट्रंप

13 दिन की बमबारी रोकी बोले- बातचीत ही... ठीक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार 13 दिनों तक चले भीषण हवाई हमलों के बाद ईरान पर नए सैन्य हमले फिलहाल रोक दिए हैं। साथ ही दावा करते हुए कहा कि जंग से कोई समाधान नहीं होता है बल्कि बातचीत ही बेहतर समाधान हो सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस फैसले के पीछे कूटनीतिक प्रयासों को मौका देना, अमेरिका के मिसाइल डिफेंस स्टॉक में आ रही कमी और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का खतरा मुख्य कारण रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सेना द्वारा नए हमलों की रूपरेखा तैयार किए जाने के बावजूद ट्रंप ने फिलहाल कोई नई सैन्य कार्रवाई न करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि मौजूदा सैन्य दबाव अपनी प्रभावी सीमा तक पहुंच चुका है और आगे की कार्रवाई एक विनाशकारी युद्ध को जन्म दे सकती है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस समय ईरान के साथ कूटनीतिक समझौता करना अधिक समझदारी भरा रास्ता होगा। हालांकि, व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक अस्थायी विराम है और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू की जा सकती है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बाधित करता है।

ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी

ट्रंप का मानना है कि बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू किए बिना सैन्य कार्रवाई अपनी हद तक पहुंच गई थी। वो कूटनीति के लिए रास्ता बनाना चाहते हैं, ताकि अगर बातचीत नाकाम हो तो कम समय में दोबारा हमले शुरू किए जा सकें। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पूरी तरह से तैयार है, लेकिन उनका मानना है कि ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी होगी उन्होंने कहा, हम इस समय उनसे बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, वो इसे लेकर ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। हालांकि व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान तुरंत समझौता करने के लिए तैयार है, लेकिन वो बातचीत जारी रखना चाहते हैं।

सेना की छापेमारी, हथियार जब्ती और गिरफ्तारियों के आदेश दिए

नेतन्याहू ने कहा- वेस्ट बैंक में कार्रवाई के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जारी तनाव के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का एक बड़ा और सख्त बयान सामने आया है। नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनके इस बयान को क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों को और अधिक तेज करने के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों से बात करते हुए नेतन्याहू ने जानकारी दी कि सुरक्षा बलों को गांवों में घुसने, व्यापक तलाशी लेने, अवैध हथियारों को जब्त करने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आतंकी ठिकानों' के खिलाफ इजरायल व्यापक और कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इस समय सेना का पूरा ध्यान क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने पर है। नेतन्याहू का यह आक्रामक बयान ऐसे समय आया है जब वेस्ट बैंक में इजराइली सेना की छापेमारी पहले से जारी है और इस दौरान इजराइली बस्तियों के लोगों द्वारा भी फिलिस्तीनियों पर हमलों की खबरें आ रही हैं। दूसरी ओर, जमीनी हकीकत बयां करते हुए यूथ अगेंस्ट सेटलमेंट्स के संस्थापक ईसा अमरो ने कहा कि कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिक हर दिन हिंसा का सामना कर रहे हैं। जब भी कोई नागरिक अपने घर, परिवार या संपत्ति का बचाव करने की कोशिश करता है, तो उसे निशाना बनाया जाता है या हिरासत में ले लिया जाता है।

> सुरक्षा बलों को गांवों में घुसने, व्यापक तलाशी लेने, अवैध हथियारों को जब्त करने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दिए

- विरोध करने पर आम नागरिकों को निशाना बनाया
- आतंकी ठिकानों को नष्ट कर इलाके पर नियंत्रण कसना
- 20 से अधिक फिलिस्तीनी समुदाय ने छोड़ा गांव
- फिलिस्तीनी नागरिक हर दिन हिंसा का सामना कर रहे हैं

सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर

अमरो ने चिंता जताते हुए दावा किया कि लगातार बढ़ते हमलों के डर से हाल के वर्षों में 20 से अधिक फिलिस्तीनी समुदाय अपने गांवों को पूरी तरह छोड़ चुके हैं और सैकड़ों परिवार बेघर होने पर मजबूर हुए हैं, जिसे उन्होंने 'जातीय सफाए' जैसा करार दिया। फिलहाल वेस्ट बैंक में स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। एक तरफ जहां इजरायली सेना अपनी कार्रवाई को और कड़ा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय आबादी की परेशानियां लगातार गहराती जा रही हैं। नेतन्याहू की इस ताजा चेतावनी के बाद अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह संघर्ष क्या नया मोड़ लेता है।

आईईडी के साथ मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जालंधर में विदेशी हैंडलर्स से जुड़ा बड़ा आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त,विस्फोटक जब्त

विदेशी संपर्कों का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी

एजेंसी ▶▶ जालंधर

पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर और जालंधर देहात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर विदेशी आकाओं के इशारे पर काम करने वाले आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आदमपुर के पड़ियाना गांव निवासी मुख्य आरोपी सतबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस सफलता की जानकारी देते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस की सतर्कता से राज्य में एक बड़ा आतंकी खतरा टल गया है।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने ढंडौर गांव के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध सतबीर सिंह को मोटरसाइकिल समेत रोका। जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 1.3 किलोग्राम वजनी एक खतरनाक आईईडी (विस्फोटक) बरामद हुआ। अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के मकसद से इस आईईडी में छर्रे और बॉल बेयरिंग भी लगाए गए थे। आरोपी अपनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जा रही काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी प्रतिबंधित बीकेआई (बब्बर खालसा इंटरनेशनल) मॉड्यूल से जुड़ा है और उसे विदेशी हैंडलर्स से यह विस्फोटक खेप मिली थी। इस वारदात के पीछे छिपे पूरे आतंकी नेटवर्क, स्थानीय मददगारों और विदेशी संपर्कों का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस गहन जांच कर रही है। इस संबंध में थाना पतारा में भारतीय न्याय संहिता विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109